श्रावण शुक्ल - 10 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 34 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 26-08-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 आधारहीन और बेतुके बयान देना राहुल गांधी की आदत : भाजपा

6 नई टीम से मजबूत होगा कांग्रेस का जनाधार

7 भारत-चीन संबंधों में सुधार साझा हितों को पूरा करता है : चीनी राष्ट्रपति

फर्स्ट टेक

आईफोन, लैपटॉप जैसे सामान से लदा कंटेनर लेकर चालक लापता

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में 1.10 करोड़ रुपए के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट और अन्य कीमती सामान से लदा एक कंटेनर लेकर लापता हुए चालक के खिलाफ गबन का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। नारपोली पुलिस ने आरोपी चालक रफीक महबूब के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 407 के तहत बृहस्पतिवार को प्राथमिकी दर्ज की। रफीक महबूब उत्तर प्रदेश के मथुरा का रहने वाला है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक माल ढुलाई कराने वाली एक परिवहन कंपनी ने आरोपी चालक रफीक महबूब को 17 अगस्त को इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स और आई-पैड, आई-फोन और लैपटॉप सहित अन्य सामान से लदा हुआ एक कंटेनर अहमदाबाद से ठाणे जिले के भिवंडी स्थित सागर कॉम्प्लेक्स ले जाने का काम सौंपा था। अधिकारी ने बताया कि ट्रक अगले दिन अपने गंतव्य स्थान नहीं पहुंचा और उसके चालक की भी कोई जानकारी नहीं मिली।

आत्मसमर्पण के कुछ देर बाद ही सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लौटे ट्रंप

न्यूयॉर्क/एपी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्वीटर) पर लंबे समय बाद वापसी हुई है। अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में अपनी हार को पलटने की साजिश रचने के आरोप में बृहस्पतिवार को अटलांटा की जेल में आत्मसमर्पण करने के कुछ देर बाद ही ट्रंप ने 'एक्स' का ढाई साल के अंतराल के पश्चात पहली बार इस्तेमाल किया। उन्होंने धन जुटाने वाली अपनी वेबसाइट के लिंक के साथ अपना 'मग शॉट' (गिरफ्तारी के बाद कैदी के रूप में ली जाने वाली तस्वीर) भी साझा किया और लिखा, चुनाव में हस्तक्षेप। कभी आत्मसमर्पण नहीं। ट्वीटर ने आठ जनवरी, 2021 को ट्रंप का खाता अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया था। इसके बाद यह ट्रंप का पहला ट्वीट है। यूएस कैपिटल (अमेरिकी संसद परिसर) इमारत पर हमला करने के आरोपों के बाद ही उनका ट्वीटर खाता बंद किया गया था।

ताइवान के उपराष्ट्रपति ने चीन पर राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने का आरोप लगाया

ताइपे/एपी। राष्ट्रपति चुनाव में सबसे आगे चल रहे उम्मीदवार एवं ताइवान के उपराष्ट्रपति विलियम लाई ने चीन पर चुनावों को प्रभावित करने के लिए अनुचित व्यापार हथकंडे अपनाने का आरोप लगाया है। विलियम लाई ने शुक्रवार को ताइपे में विदेशी संवाददाताओं के साथ एक बैठक में कहा कि चीन ने आगामी चुनावों को कमजोर करने के प्रयास में संभावित रूप से ताइवान के कृषि उत्पादों को निशाना बनाया है। उनकी यह टिप्पणी तब आई है, जब चीन ने सोमवार को घोषणा की कि वह अधिकारियों द्वारा फल पर कीट पाए जाने के बाद ताइवान से आम का आयात निलंबित कर देगा। व्यापार पर अंकुश को काफी हद तक राजनीति से प्रेरित माना जा रहा है। ताइवान में जनवरी 2024 में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। ताइवान एक स्व-शासित लोकतंत्र है, जिस पर चीन अपना दावा करता है। चीन और ताइवान 1949 में एक गृह युद्ध के बाद विभाजित हो गए थे, जो सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के मुख्य भूमि पर नियंत्रण के साथ ही समाप्त हुआ। लाई ने शुक्रवार को कहा, चीन हर तरह की रणनीति के साथ चुनाव में हस्तक्षेप करने की उम्मीद कर रहा होगा, लेकिन अगर वे सफल हो गए, तो यह ताइवान के लोकतंत्र को कमजोर करने जैसा होगा।

25-08-2023	26-08-2023
सूर्यास्त 6:24 बजे	सूर्योदय 5:57 बजे

BSE	NSE
64,886.51	19,265.80
(-365.83)	(-120.90)

सोना	चांदी
6,122 रु.	80,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

चंद्रमा पर तिरंगा फहराकर भारत ने दुनिया को अपना सामर्थ्य दिखाया : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एथेंस/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने चंद्रमा पर तिरंगा फहराकर दुनिया को अपना सामर्थ्य दिखाया है तथा उसका विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार वैश्विक स्तर पर लहर पैदा कर रहा है।

यूनान में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए उन्होंने पिछले नौ वर्षों में उनकी सरकार द्वारा हासिल की गई कई विकासपरक उपलब्धियों का भी हवाला दिया और इस बात पर जोर दिया कि बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में पहले कभी इतना निवेश नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से भारत में 25 लाख किलोमीटर से अधिक लंबी ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई गई है, जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी से छह गुना अधिक है। उन्होंने कहा, भारत ने रिकॉर्ड समय में लगभग 700 जिलों में स्वदेशी 5जी प्रौद्योगिकी पहुंचा दी है। प्रधानमंत्री की यह बात सुनते ही वहां मौजूद दर्शकों में उत्साह की लहर दौड़ गई।

उन्होंने कहा, दुनिया का सबसे ऊंचाई वाला रेलवे पुल, मोटर चलने योग्य सड़क के अलावा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम और सबसे ऊंची प्रतिमा अब भारत में हैं। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक और आईएमएफ जैसे शीर्ष वैश्विक निकाय भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रशंसा कर रहे हैं और प्रमुख कंपनियां भारत में निवेश करने के लिए एक-दूसरे के साथ होड़ कर रही हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के बाद विश्व व्यवस्था में देश की भूमिका तेजी से बदल रही है।

इस सप्ताह की शुरुआत में चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि भारत ने चंद्रमा पर तिरंगा फहराकर दुनिया को अपनी क्षमता दिखाई है।

मोदी यूनान के 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द आर्डर ऑप ऑनर' से सम्मानित

एथेंस/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आज यहां यूनान के शीर्ष नागरिक सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया गया। एथेंस में राष्ट्रपति भवन में शुक्रवार को यूनान के राष्ट्रपति कैटरीना एन. साकेलारोपूलू ने मोदी को इस पुरस्कार से अलंकृत किया। मोदी यह सम्मान पाने वाले पहले विदेशी शासनाध्यक्ष हैं। प्रधानमंत्री ने भारत के लोगों की ओर से इस विशेष सम्मान के लिए राष्ट्रपति साकेलारोपूलू, यूनान की सरकार और लोगों को धन्यवाद दिया और कहा कि वह यह भारत के 140 करोड़ नागरिकों की ओर से ग्रहण कर रहे हैं।

जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेंगे पुतिन

मॉस्को/वार्ता। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत नहीं जाएंगे। रूसी राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने शुक्रवार को यहां मीडिया को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पुतिन भारत में सितंबर में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन के लिए यात्रा की योजना नहीं बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस समय मुख्य जोर विशेष सैन्य अभियान पर है। जी-20 शिखर सम्मेलन नौ और 10 सितंबर को नई दिल्ली में प्रगति मैदान में नवनिर्मित भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पुतिन दक्षिण अफ्रीका के शहर जोहान्सबर्ग में संपन्न हुए ब्रिक्स के 15वें शिखर-सम्मेलन में भी भाग लेने नहीं गए थे।

वैश्विक आर्थिक सुधार को कायम रखना बड़ी चुनौती : वित्तमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज कहा कि जब दुनिया कोविड-19 और इसके प्रभावों, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन के साथ ही अन्य कारणों से हुई तबाही से गुजर रही है जो वैश्विक स्तर पर गंभीर स्थिति पैदा कर रही हैं , ऐसे समय में वैश्विक आर्थिक सुधार को कायम रखना एक बड़ी चुनौती है।

श्रीमती सीतारमण ने आज यहां आयोजित बी-20 इंडिया शिखर सम्मेलन में सतत वैश्विक आर्थिक सुधार के लिए प्रमुख प्राथमिकताओं पर सत्र को संबोधित करते हुये कहा कि इन चिंताओं के अलावा, प्रत्येक देश की अलग स्थिति होती है जिसे उनकी अर्थव्यवस्थाओं के पुनर्निर्माण के लिए विशिष्ट प्रबंधन की आवश्यकता होती है। उन्होंने पांच प्रमुख प्राथमिकताओं पर प्रकाश डालते हुये कहा कि ये वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को निरंतर सुधार के रास्ते पर लाने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले मुद्रास्फीति पर काबू पाना होगा जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केंद्रीय बैंकों के सामने मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखते हुए विकास की प्रधानता को ध्यान में रखना है। दूसरी प्राथमिकता विकास को गति देने के लिए निवेश, विशेषकर भौतिक संपत्तियों में सार्वजनिक निवेश पर जोर देना है जबकि तीसरी प्राथमिकता शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश बढ़ाना है।

मधुमिता हत्याकांड में दोषी अमरमणि रिहा

गोरखपुर/वार्ता। कवयित्री मधुमिता शुक्ला हत्याकांड में दोषी करार दिए गए पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी और उनकी पत्नी मधुमणि त्रिपाठी को उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुपालन में उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश के बाद शुक्रवार शाम रिहा कर दिया गया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बीस साल की सजा काटने के बाद उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुपालन में अमरमणि और मधुमणि को 25-25 लाख रुपए के निजी मुचलके पर रिहा कर दिया गया है। उन्होंने कहा, दंपति वर्तमान में बाबा राघव दास (बीआरडी) मेडिकल कॉलेज में भर्ती हैं। जेल में सजा काटने के दौरान उनके अच्छे आचरण को ध्यान में रखते हुए दंपति को रिहा करने का आदेश जेल प्रशासन और सुधार विभाग ने गुरुवार को जारी किया था।

हर व्यक्ति को लोक कल्याण की भावना से नेक कार्य करना चाहिए : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राष्ट्रपति ने दादी प्रकाशमणि की स्मृति में डाक टिकट जारी किया

नई दिल्ली, 25 अगस्त (वार्ता) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित समारोह में आध्यात्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाले वैश्विक गैर-सरकारी संगठन ब्रह्माकुमारीज़ की पूर्व प्रमुख दादी प्रकाशमणि की स्मृति में एक डाक टिकट जारी किया और लोगों से जनकल्याण की भावना से काम करने का आह्वान किया।

राष्ट्रपति सचिवालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार यह डाक टिकट दादी प्रकाशमणि की 16वीं पुण्यतिथि के अवसर पर संचार मंत्रालय के डाक विभाग की 'माई स्टैम्प' पहल के तहत निकाला गया है।

इस अवसर पर श्रीमती मुर्मु ने कहा कि दादी प्रकाशमणि ने आध्यात्मिकता के माध्यम से भारतीय मूल्यों और संस्कृति को भारत और विदेशों में फैलाया। उनके नेतृत्व में, ब्रह्माकुमारीज़ दुनिया में महिलाओं के नेतृत्व वाला सबसे बड़ा आध्यात्मिक संगठन बन गया। एक सच्चे नेता की तरह, वह चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी विश्वास और साहस के साथ ब्रह्माकुमारीज़ परिवार के साथ खड़ी रहीं और हमेशा उनका मार्गदर्शन किया।

राष्ट्रपति ने कहा, किसी भी व्यक्ति को उसके कर्मों के कारण ही याद किया जाता है और इस लिए हर व्यक्ति को लोक कल्याण की भावना से नेक कार्य करना चाहिए। दादी प्रकाशमणि भले ही शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके आध्यात्मिक और मिलनसार व्यक्तित्व और मानव कल्याण के उनके संदेश की यादें हमेशा हमारे बीच जीवित रहेंगी और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी।

चांद की सतह पर आठ मीटर तक घूमा प्रज्ञान रोवर, सभी पेलोड्स सामान्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत का महान गौरव चंद्रयान-3 लगातार सफलतापूर्ण कदम बढ़ा रहा है और प्रज्ञान' रोवर ने चांद के दक्षिणी ध्रुव की सतह पर शुक्रवार को आठ मीटर तक सफलतापूर्वक चहलकदमी की। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार शाम एक बयान जारी करके बताया कि रोवर ने सारी गतिविधियां नियोजित तरीके से की। लैंडर मॉड्यूल (एलएम), प्रॉपल्शन मॉड्यूल (पीएम) और रोवर सभी बिल्कुल ठीक तरह से काम कर रहे हैं।

चंद्रयान-3 मिशन पर एक अपडेट में इसरो ने कहा, 'रोवर की सभी पहले से ही तय गतिविधियों को सत्यापित कर लिया गया है। रोवर ने लगभग आठ मीटर की दूरी सफलतापूर्वक तय कर ली है। रोवर पेलोड एलआईबीएस और एपीएक्सएस चालू हैं । पीएम, एलएम और रोवर पर सभी पेलोड सामन्य रूप से काम कर रहे हैं।'

इसरो ने बताया कि रोवर को लैंडर विक्रम से सुरक्षित बाहर निकालने के लिए दो खंड वाले रैंप को तैयार किया गया था। इस रैंप की मदद से रोवर को सुरक्षित चंद्रमा की सतह पर उतारा गया और रोवर पर लगे सौर पैनल ने उसे बिजली उत्पन्न करने में सक्षम बनाया। रोवर को बाहर निकालने से पहले रैंप और सोलर पैनल का एक वीडियो भी जारी किया गया।

आज इसरो के वैज्ञानिकों से मिलेंगे प्रधानमंत्री

बेंगलूरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चंद्रयान-3 मिशन की सफलता पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की टीम को बधाई देने के लिए शनिवार सुबह बेंगलूरु आएंगे। मोदी इसरो टेलीमेट्री ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी) में एक घंटा रुकेंगे और इसरो के वैज्ञानिकों से मुलाकात करेंगे।

प्रधान और जगन ने 830 करोड़ की लागत से बनने वाले जनजातीय विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयनगरम/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई. एस. जगन मोहन रेड्डी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को विजयनगरम जिले के मेंतादा मंडल के चिनमेदापल्ली गांव में 830 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी।

यह विश्वविद्यालय 562 एकड़ भूमि पर बनेगा और यह तीन साल में बनकर तैयार होगा। रेड्डी ने आधारशिला रखने के बाद दत्तिराजेरु मंडल के मरादम गांव में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, इस आदिवासी क्षेत्र में हम 830 करोड़ रुपए की परियोजना, केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के लिए स्थाई भवन का निर्माण कर रहे हैं। अगले तीन वर्षों में, यह परियोजना देश को समर्पित कर दी जाएगी। प्रधान ने शिलान्यास समारोह को आदिवासी कल्याण को ठोस वास्तविकता बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को पूरा करने की दिशा में एक और कदम बताया। रेड्डी ने इस परियोजना को मंजूरी देने के लिए मोदी को धन्यवाद दिया, जो 2014 में संयुक्त आंध्र प्रदेश के विभाजन के हिस्से के रूप में राज्य को प्रदान की गई थी।

मुख्यमंत्री रेड्डी ने कहा कि विश्वविद्यालय आदिवासी समुदायों के बीच शिक्षा को आगे बढ़ाएगा और उन्हें दुनिया में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करेगा। रेड्डी के अनुसार, हालांकि मुख्यधारा के समाज की तुलना में आदिवासी विभिन्न मापदंडों में पिछड़ रहे हैं, लेकिन वाईएसआर कांग्रेस पार्टी की सरकार ने पिछले चार वर्षों में उनका विशेष ध्यान रखा है। रेड्डी ने कहा कि आदिवासी क्षेत्र को लाभ पहुंचाने के लिए नरसीपट्टनम, पडेरू और पार्वतीपुरम में तीन मेडिकल कॉलेज बनाए जा रहे हैं, जिसमें कुरुपम में एक आदिवासी इंजीनियरिंग कॉलेज भी शामिल है। रेड्डी ने कहा कि पहले के किसी भी शासन की तुलना में, पिछले चार वर्षों में आदिवासियों के विकास के लिए क्रांतिकारी कदम उठाए गए हैं।

निर्माण क्षेत्र में आधुनिक प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए व्यवहारिक तरीके खोजने की जरूरत: पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को कहा कि तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण 2030 तक 60 करोड़ से अधिक लोगों के शहरों में निवास करने का अनुमान है। उन्होंने निर्माण उद्योग में नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने की जरूरत पर भी बल दिया।

मंत्री ने जमीन-जायदाद के विकास से जुड़ी कंपनियों के शीर्ष संगठन क्रेडाई (कॉन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया) द्वारा 'निर्माण उद्योग में नई और उभरती भवन निर्माण सामग्री और प्रौद्योगिकियों को अपनाने' के विषय पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। क्रेडाई 13,000 से अधिक डेवलपर सदस्यों का प्रतिनिधित्व करता है। पुरी ने कहा, यह जरूरी है कि हम निर्माण उद्योग में उभरती सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए व्यवहार्य तरीके खोजें।

इस संबंध में सरकार की प्रतिबद्धता के बारे में पुरी ने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री ने निर्माण उद्योग में इन पुरानी प्रौद्योगिकियों की जगह नई अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाने को तेज करने की जरूरत पर जोर दिया था।

मंत्रालय ने अपनी ओर से 'ग्लोबल हाउसिंग टेक्नोलॉजी चैलेंज' के तहत दुनिया भर से 54 नवीन निर्माण प्रौद्योगिकियों को चुना है। चेन्नई, राजकोट, इंदौर, लखनऊ, रांची और अगरतला में

छह लाइट हाउस परियोजनाओं का चयन किया गया है, जिसके तहत नवीन निर्माण प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके 6,368 घर बनाए जा रहे हैं।

पुरी ने कहा, इन लाइट हाउस परियोजनाओं के साथ, मेरा मानना है कि मोदी सरकार ने निर्माण उद्योग को खुद को फिर से खड़ा करने के लिए और 2030 तक शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने में प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए रूपरेखा तैयार किया है। उन्होंने इन छह परियोजनाओं में नई प्रौद्योगिकियों के उपयोग के विभिन्न लाभों का हवाला दिया। इनसे निर्माण समय में 50 प्रतिशत की कमी, सीमेंट की 15-20 प्रतिशत की बचत, निर्माण अपशिष्ट में 20 प्रतिशत की कमी, लागत में 10-20 प्रतिशत की कमी, 20-25 प्रतिशत बढ़ी हुई तापीय सुविधा, 4-सितारा ग्रीन हाउस रेटिंग, ऊर्जा में 20 प्रतिशत की कमी और ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में 35 प्रतिशत की कमी आदि हैं।

पुरी ने कहा, 2030 में भारत की शहरी आबादी 60 करोड़ से अधिक होगी। आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में शहर 2030 तक देश की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) में 70 प्रतिशत से अधिक का योगदान देंगे।

कृत्रिम मेधा से भारत में और नौकरियां पैदा होंगी : चंद्रशेखरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बी-20 इंडिया के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन ने शुक्रवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) भारत में और अधिक नौकरियां पैदा करेगी क्योंकि यह कम कौशल वाले या बिना कौशल वाले लोगों को उच्च स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए सशक्त बनाएगी। यहां बी-20 शिखर सम्मेलन भारत 2023 में एक परिचर्चा में, टाटा संस के चेयरमैन चंद्रशेखरन ने कहा कि भारत ने तकनीकी-कानूनी दृष्टिकोण अपनाकर निजी जानकारी की गोपनीयता और सुरक्षा की दिशा में 'शानदार सफलता' हासिल की है।

एआई के आगमन के साथ गोपनीयता और नौकरियों संबंधी चिंताओं को दूर करने पर उन्होंने कहा, वास्तव में हमारे जैसे देश में, यह (एआई) नौकरियां पैदा करेगी क्योंकि यह कम कौशल या

बिना कौशल वाले लोगों को उच्च स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए सशक्त बनाएगी। उन्होंने एक नर्स का उदाहरण दिया और कहा कि एआई के कारण 'नर्स एक डॉक्टर के कार्यभार को दूर करने में सक्षम होगी और इसी तरह हम आगे बढ़ने जा रहे हैं।

चंद्रशेखरन ने कहा कि हालांकि, एआई का प्रभाव अलग-अलग बाजारों और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न होगा।

चंद्रशेखर ने कहा, फिर से, एआई बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा क्योंकि जिन चीजों का ध्यान रखने की जरूरत है उनमें से अधिकतर चीजें एआई कर सकती है। इसीलिए, विभिन्न क्षेत्रों और विभिन्न बाजारों में लाभ

राजनीति को नई परिभाषा देने की आवश्यकता : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर (महाराष्ट्र)/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि राजनीति को सामाजिक कार्य, विकास और राष्ट्र निर्माण के रूप में पुन: परिभाषित किया जाना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता गडकरी 'लक्ष्मणराव मानकर स्मृति संस्था' द्वारा आदिवासी इलाकों में काम कर रहे शिक्षकों के लिए आयोजित एक संगोष्ठी के बारे में सूचना देने के लिए एक संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। गडकरी इस संस्था से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा, मैं हमेशा सांसदों, विधायकों, जिला पंचायत और पंचायत समिति सदस्यों से कहता हूं कि यह (सामाजिक कार्य) राजनीति है। हमें राजनीति को पुन: परिभाषित करने की आवश्यकता है।

गडकरी ने कहा, सामाजिक कार्य, राष्ट्र-निर्माण, विकास और सेवा राजनीति है। अभी केवल 'सत्ता-करण' चल रहा है। हमें सत्ता की राजनीति करनी चाहिए लेकिन सामाजिक कार्य और विकास से सामाजिक बदलाव आएगा। जनसंघ के दिग्गज नेता दिवंगत दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय मिशन का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना और उसके सामाजिक-आर्थिक बदलाव को काम करना है।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां संचालन मानकों को मजबूत करें: आरबीआई गवर्नर

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने शुक्रवार को आवासीय वित्त कंपनियों समेत गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को संचालन मानकों एवं अनुपालन व्यवस्था को सशक्त करने के लिए कहा। दास ने यहां चुनिंदा एनबीएफसी के प्रबंध निदेशकों (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के साथ एक बैठक में यह निर्देश दिए। इस बैठक में सार्वजनिक एनबीएफसी के अलावा आवासीय वित्त कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भी शिरकत की। इन सभी वित्तीय इकाइयों का समूचे एनबीएफसी कारोबार के करीब 50 प्रतिशत हिस्से पर नियंत्रण है। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि आरबीआई गवर्नर ने बैंकिंग सुविधा से वंचित क्षेत्रों में कर्ज मुहैया कराने में एनबीएफसी की भूमिका को अहम बताते हुए उन्हें किसी भी तरह की शिथिलता से बचने की हिदायत भी दी। बयान के मुताबिक, गवर्नर ने एनबीएफसी कंपनियों से अपने संचालन मानकों एवं आश्वासन व्यवस्थाओं को और मजबूत करने पर ध्यान देने को कहा।

विभिन्न उद्यम इकाइयों को अलग-अलग सूचीबद्ध करने पर हो रहा विचार : अग्रवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खनन दिग्गज अनिल अग्रवाल ने कहा है कि उनके समूह की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड शेयरधारक मूल्य को खोलने के लिए एल्युमीनियम, लोहा और इस्पात, और तेल एवं गैस जैसे सभी या कुछ व्यवसायों को अलग करने और उन्हें अलग से सूचीबद्ध करने पर विचार कर रही है। लंदन स्थित मूल कंपनी वेदांता रिसोर्सेज विविध खनन समूह वेदांता लिमिटेड की होल्डिंग कंपनी बनी रहेगी। कुछ या सभी व्यवसाय समानांतर रूप से स्वतंत्र, सूचीबद्ध कंपनियों के रूप में संचालित होंगे।

वेदांता के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने शेयरधारकों को एक वीडियो संदेश में कहा कि कंपनी की तेल और गैस, धातु और खनन क्षेत्र में उपस्थिति है, और विभिन्न व्यवसायों को अलग से सूचीबद्ध करने से उन्हें कई गुना वृद्धि करने

में मदद करेगी। उन्होंने कहा, इसका मतलब है कि अगर आपके पास वेदांता लिमिटेड का एक शेयर है, तो आपके पास अन्य (अलग हुई) कंपनियों के कई शेयर होंगे। अब वह व्यवसायों को अलग-अलग सूचीबद्ध करने के लिए शेयरधारक और हितधारकों की प्रतिक्रिया मांग रहे हैं। फिलहाल ये सभी व्यवसाय वेदांता लिमिटेड के अंतर्गत आते हैं।

विनिवेश से उन्हें मुख्य व्यवसाय पर ध्यान केंद्रित रखने में मदद मिलेगी। साथ ही, इससे निवेशकों को अपनी पसंद के क्षेत्रों और कंपनियों में निवेश करने का अवसर मिलेगा। हालांकि उन्होंने निर्णय के लिए कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की।

आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने के लिए सड़क, राजमार्गों में निवेश महत्वपूर्ण : रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। भारत के सड़क और राजमार्ग क्षेत्र का विकास न केवल आर्थिक वृद्धि के लिए बल्कि अधिक समावेशी व संगठित समाज बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने सम्मेलन में सड़क और राजमार्ग क्षेत्र पर जारी रिपोर्ट में यह बात कही। इसके मुताबिक आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने, निवेशकों का विश्वास बढ़ाने, रोजगार पैदा करने और समावेशी विकास को सक्षम करने में सड़क अवसंरचना की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है, जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए सालाना 3.7 लाख करोड़ डॉलर की अनुमानित वैश्विक बुनियादी ढांचे की पूंजीगत जरूरत के साथ, भारत के सड़क नेटवर्क के निरंतर विस्तार और मजबूती का महत्व सर्वोपरि बना हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और राजस्थान जैसे राज्यों ने एनएचएआई की परियोजनाओं और निवेश को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आईएसआरएस का भारत का पहला शैक्षिक पाठ्यक्रम अमृता अस्पताल में आयोजित हुआ

कोच्चि/वार्ता। केरल के कोच्चि स्थित अमृता अस्पताल के चिकित्सा विशेषज्ञों ने एक मील का पत्थर हासिल करते हुए इंटरनेशनल स्टीरियोटैक्टिक रेडियोसर्जरी सोसाइटी के सहयोग से भारत के पहले शैक्षिक पाठ्यक्रम के पहले दिन रेडियोसर्जरी प्रथाओं में क्रांतिकारी बदलाव की दिशा में प्रयास किया है।

पाठ्यक्रम का शीर्षक सौम्य इंट्राक्रानियल ट्यूमर, सिर का ट्यूमर और पेट के जेनिटोरिनरी तथा स्त्री रोग संबंधी कैंसर के प्रबंधन के लिए स्टीरियोटैक्टिक रेडियोसर्जरी में प्रगति है। एक व्यापक रेडियोसर्जरी शैक्षिक पाठ्यक्रम का उद्देश्य सौम्य इंट्राक्रैनियल ट्यूमर, खोपड़ी-आधारित ट्यूमर और जेनिटोरिनरी घातकताओं का इलाज करने और इसे खत्म करने की दृष्टि से न्यूरोसर्जन, ऑन्कोलॉजिस्ट, मेडिकल भौतिकविदों, छात्रों और लोगों के बीच रेडियोसर्जरी और स्टीरियोटैक्टिक रेडियोथेरेपी के ज्ञान को फैलाना है। अस्पताल की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि रेडियोसर्जरी पर अनुसंधान मुख्य रूप से विदेशों में अंतरराष्ट्रीय केंद्रों से शुरू हुआ है। रेडियोसर्जरी (जो अपनी संक्षिप्त उपचार अवधि के लिए जानी जाती है - कुछ मामलों में इसकी केवल छह सप्ताह की आवश्यकता होती है) रोगियों के लिए सुविधा प्रदान करती है। आमतौर पर उच्च आय वर्ग के लोग रेडियोसर्जरी को अपने पसंदीदा उपचार विकल्प के रूप में चुनते हैं। विज्ञप्ति के अनुसार आम तौर पर भारत जैसे देशों में संबंधित इलाज की लगात की तुलना में अपेक्षाकृत कम अवधि वाले उपचार की पद्धति रेडियोसर्जरी उतनी प्रभावी नहीं हो सकती है।

इंडियन ऑयल क्षमता विस्तार, ऊर्जा बदलाव पर करेगी 4 लाख करोड़ रु. का निवेश: चेयरमैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश की सबसे बड़ी खुदरा पेट्रोलियम विक्रेता इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) अपने रिफाइनिंग एवं पेट्रोरसायन कारोबार के विस्तार और ऊर्जा बदलाव से जुड़ी परियोजनाओं पर मौजूदा दशक में चार लाख करोड़ रुपए से अधिक निवेश करेगी।

आईओसी के चेयरमैन श्रीकांत माधव वैद्य ने शुक्रवार को सालाना आमसभा में कंपनी के शेयरधारकों को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आईओसी कच्चे तेल को ईंधन में बदलने और रिफाइनिंग क्षमताओं के विस्तार पर इस अवधि में एक लाख करोड़ रुपए निवेश करेगी जबकि 2.4 लाख करोड़ रुपए का बड़ा निवेश शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य को हासिल करने में मददगार परियोजनाओं पर किया जाएगा। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनी ओडिशा के पारादीप में एक विशाल पेट्रोरसायन

परिसर लगाने पर भी 60,000 करोड़ रुपए का निवेश करने जा रही है। वैद्य ने कहा कि आईओसी को इन निवेश योजनाओं से तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में बढ़ रही ऊर्जा मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा कंपनी ऊर्जा बदलाव की राह पर भी चलकर शुद्ध-शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य तक पहुंच पाएगी।

आईओसी के चेयरमैन ने कहा, पिछले साल उतार-चढ़ाव ने वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य को हिलाकर रख दिया था लेकिन आईओसी ने देश के लिए अपनी प्रतिबद्धता पूरी शिद्दत से निभाई। भारत के ऊर्जा संरक्षक के रूप में आपकी कंपनी ने देश के ऊर्जा परिदृश्य के लिए एक स्पष्ट रोडमैप तैयार किया है।

महाराष्ट्र में 50 लाख रुपए मूल्य के जाली नोट जब्त, गुजरात के दो लोग गिरफ्तार

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लगभग 50 लाख रुपए मूल्य के जाली नोट जब्त किए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपी गुजरात के कच्छ जिले के भुज के निवासी हैं। आरोपियों को गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया और उसके पास से एक लाख रुपए से अधिक की नकदी भी बरामद की गई। अधिकारी ने बताया, सूचना मिलने के बाद नवी मुंबई के खारघर पुलिस थाने की एक टीम ने दोनों को पकड़ लिया। उनकी तलाशी के दौरान उनके पास से 500 रुपए के कुल 9,981 नकली नोट मिले। उन नोटों पर बिना किसी सीरियल नंबर के 'चिल्ड्रेन बैंक ऑफ इंडिया' लिखा हुआ था। इसे जब्त कर लिया गया है। जब्त किए गए नोट बिल्कुल असली जैसे ही लग रहे थे। आरोपियों ने 49,90,500 रुपए मूल्य के इन नोटों को बाजार में चलाने की योजना बनाई थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उस्मान दुशाप साहा (40) और अब्दुल हसन तुर्क (41) नामक दोनों आरोपियों के पास से 1,09,500 रुपए की नकदी भी बरामद की गई।

अफ्रीका को कृषि के लिए अपनाने से खाद्य पारिस्थितिकी तंत्र बदल सकता है: सुनील मित्तल

नई दिल्ली/भाषा। बी20 इंडिया एक्शन काउंसिल ऑन अफ्रिकन काउंसिल के प्रमुख सुनील भारती मित्तल ने खाद्य उत्पादन में चल रहे वैश्विक संकट की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए शुक्रवार को कहा कि कृषि के लिए अफ्रीका का रुख करन से दुनिया और खाद्य पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव आ सकता है। मित्तल ने कहा कि अफ्रीकी आर्थिक एकीकरण गति पकड़ रहा है और उम्मीद जताई कि अफ्रीका संघ जल्द ही जी20 का स्थाई सदस्य बन जाएगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जी20 में अफ्रीकी का पक्ष बेहद महत्वपूर्ण है।

बी20 समिट इंडिया 2023 को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, दुनिया की 60% कृषि योग्य और अभी तक बंजर पड़ी भूमि अफ्रीका में है...आज हम सभी ने देखा है कि दुनिया खाद्य उत्पादन संकट से गुजर रहा है...कृषि के लिए अफ्रीका का रुख करने से शायद कुछ मूल्य वर्धित कृषि हो और पूरी दुनिया बदल जाए। बिजनेस 20 (बी20) वैश्विक कारोबारी समुदाय के लिए जी20 का आधिकारिक चर्चा मंच है।

एससीआर पर सबसे लंबा रेल फ्लाईओवर गुडुर-मनुबोलू के बीच हुआ शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/वार्ता। आंध्र प्रदेश में दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के विजयवाड़ा डिवीजन में गुडूर-मनुबोलू रेलवे स्टेशनों के बीच एक नए रेल फ्लाईओवर, रेल ओवर रेल (आरओआर) का निर्माण पूरा होने के बाद चालू कर दिया गया है। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने शुक्रवार को यहां एक विज्ञप्ति में कहा कि इस रेल फ्लाईओवर का निर्माण गुडूर-मनुबोलू के बीच तीसरी लाइन के काम के हिस्से के रूप में रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) ने किया है।

एससीआर में गुडूर-मनुबोलू रेल फ्लाईओवर 7वां रेल ओवर रेल (आरओआर) है और यह 2.2 किलोमीटर की दूरी तक फैला है। यह ज़ोन का सबसे लंबा आरओआर या रेल फ्लाईओवर भी है। जोन पर पिछला सबसे लंबा रेल फ्लाईओवर केवल 40 मीटर का था। यह 2.2 किलोमीटर लंबा विद्युतीकृत रेलवे फ्लाईओवर अत्याधुनिक तकनीक के साथ दो साल के भीतर पूरा किया गया है। फ्लाईओवर में पीएससी (प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट) और कम्पोजिट गर्डर्स शामिल हैं जिनमें अंतर्निहित उच्च टॉर्सनल प्रतिरोध और कम समग्र रखरखाव लागत है।

इसके अलावा फ्लाईओवर के सबस्ट्रक्चर, पीएससी गर्डर्स और स्लैब के लिए उच्च ग्रेड कंक्रीट और स्ट्रक्चरल स्टील का उपयोग किया गया था। इसके अलावा पुल के आयामों की योजना इस तरह से बनाई गई थी कि उपलब्ध रेलवे भूमि के भीतर परियोजना के सुचारू निष्पादन की सुविधा और किसी भी भूमि अधिग्रहण से बचा जा सके।

एनएसई, बीएसई ने पावरग्रिड पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली/भाषा। बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने जून तिमाही में निदेशक मंडल में एक महिला सहित जरूरी संख्या में स्वतंत्र निदेशक नहीं होने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की पावर ग्रिड कॉरपोरेशन पर जुर्माना लगाया है। दोनों शेयर बाजारों ने 5.36 लाख रुपए-5.36 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। बीएसई को दी जानकारी के अनुसार, कंपनी को प्रावधान का अनुपालन न करने के संबंध में 21 अगस्त, 2023 को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) और बीएसई से नोटिस प्राप्त हुआ है... आवश्यक संख्या में स्वतंत्र निदेशक (एक महिला स्वतंत्र निदेशक सहित) नहीं होने के कारण 30 जून 2023 को समाप्त तिमाही के दौरान कंपनी के निदेशक मंडल ने ऐसे गैर-अनुपालन के लिए एनएसई और बीएसई द्वारा अलग-अलग 5,36,900 रुपए का जुर्माना लगाया गया है। नोटिस के जवाब में, कंपनी ने 22 अगस्त, 2023 को भेजे गए पत्र में एनएसई और बीएसई से सेबी विनियमन का अनुपालन न करने के संबंध में छूट देने का अनुरोध किया है।

प्रधानमंत्री मोदी बातचीत के लिए चीनी राष्ट्रपति के पीछे क्यों भाग रहे हैं: ओवैसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। ऑल इंडिया मज्लिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्तारूढ़ दल को जवाब देना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बातचीत के लिए चीनी राष्ट्रपति के पीछे क्यों भाग रहे हैं। उन्होंने कहा कि चीन से लगी भारत की सीमा पर भूमि कथित रूप से खोने पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र आहूत किया जाना चाहिए। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, यह लीक हो गया था कि चीन बात करना चाहता था। आधिकारिक तौर पर, विदेश मंत्रालय को प्रधानमंत्री मोदी और शी चिनफिंग की बातचीत के बाद बयान देना चाहिए था कि ये बातचीत हुई थी। चीनी विदेश मंत्रालय का कहना है कि प्रधानमंत्री बातचीत करना चाहते थे। बाद में विदेश सचिव कुछ और कहते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति चिनफिंग के बीच जोहानसबर्ग में बातचीत के दो दिन

बाद, भारत और चीन ने इस बारे में शुक्रवार को अलग-अलग विचार पेश किए कि किस पक्ष ने बातचीत का अनुरोध किया था। भारतीय सूत्रों ने कहा कि द्विपक्षीय बैठक को लेकर चीनी पक्ष की ओर से एक अनुरोध लंबित है। इससे कुछ घंटे पहले चीनी पक्ष ने मोदी-शी के बीच हुई वार्ता का ब्योरा जारी करते हुए कहा था कि भारत के अनुरोध पर यह बातचीत हुई।

ओवैसी ने इस घटनाक्रम की ओर इशारा करते हुए कहा कि वह भाजपा से पूछना चाहते हैं कि प्रधानमंत्री बातचीत के लिए चीनी राष्ट्रपति के पीछे क्यों भाग रहे हैं।

ओवैसी ने पूछा, लद्दाख सीमा पर जो हो रहा है, उस पर प्रधानमंत्री देश को अंधेरे में क्यों रख रहे हैं? उन्होंने पूछा, क्या कारण है कि मोदी सरकार हमारी बहादुर सेना पर कोई समाधान स्वीकार करने के लिए दबाव डाल रही है। ओवैसी ने कहा कि देश की बहादुर सेना पिछले 40 महीने से ऊंचे पहाड़ों पर चीन की सेना का सामना कर रही है।

उन्होंने कहा कि अगर देश ने अपना क्षेत्र खो दिया है और अगर भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार चीन के सामने झुक रही है तो यह शर्मनाक होगा। उन्होंने कहा, जो 2,000 वर्ग किलोमीटर हमने खोया है, वह भाजपा की निजी संपत्ति नहीं है। वह हमारे देश की जमीन है। यह हमारे देश की सुरक्षा का अभिन्न अंग है।

स्टालिन ने नाश्ता योजना के विस्तार की पहल की

नीट व एनईपी पर भाजपा को दोषी ठहराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपट्टनम। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शुक्रवार को यहां जिले के तिरुक्कुवलई में प्राथमिक स्कूलों के छात्रों के लिए राज्य की नाश्ता योजना का विस्तार किया। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का नाम लिए बिना, उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति और नीट को लेकर विश्वासघात' के लिए इसकी आलोचना की।

विस्तार से सभी 31,008 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के लगभग 17 लाख छात्र लाभान्वित होंगे। पिछले साल जब स्टालिन ने इस पहल का उद्घाटन किया था, तब 1,545 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा 1 से 5 तक के 1.14 लाख छात्रों को इस योजना के दायरे में रखा गया था। योजना के विस्तार के उद्घाटन के अवसर पर तिरुक्कुवलाई में पंचायत यूनियन मिडिल स्कूल में बच्चों को भोजन परोसने के बाद स्टालिन ने कहा कि यह योजना उस प्राथमिक विद्यालय में शुरू की गई है जहां पूर्व मुख्यमंत्री, दिवंगत एम. करुणानिधि ने पढ़ाई की थी और यह स्वर्णिम दिन है।

उन्होंने कहा, हालांकि मेरे मुख्यमंत्री बनने के बाद कई कल्याणकारी योजनाएं लागू की गई हैं, लेकिन यह नाश्ता योजना मुझे संतुष्टि देती है। उन्होंने तमिल महाकाव्य मणिमेकलाई के एक श्लोक का हवाला दिया, जिसका अर्थ था कि भोजन देना जीवन देने के बराबर है। द्रविड़ मॉडल शासन एक जीवनदायनी सरकार के रूप में काम कर रहा है। दिवंगत पेरियार ई.वी. रामासामी, सी.एन. अन्नादुरई और एम. करुणानिधि ने कहा था कि चाहे गरीबी हो या जाति, किसी को भी शिक्षा तक पहुंच में बाधक नहीं बनना चाहिए। मैं उनके नक्शेकदम पर चल रहा हूं और उनके सपनों को पूरा कर रहा हूं। स्टालिन ने कहा कि द्रमुक शासन महाभारत के गुरु द्रोणाचार्य-एकलव्य प्रकरण के विपरीत सभी समुदायों को सभी प्रकार का ज्ञान प्रदान करने वाले सामाजिक न्याय के आदर्श द्वारा निर्देशित है। स्टालिन ने कहा, अभी भी कुछ विश्वासघाती गुरु हैं जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति और एनईईटी के नाम पर बाधाएं खड़ी कर रहे हैं। चेन्नई में उनके बेटे और कैबिनेट मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने ट्रिप्लीकेन के एक स्कूल में विस्तारित योजना की शुरुआत की। सत्तारूढ़ द्रमुक, कांग्रेस सहित सहयोगी दलों के निर्वाचित प्रतिनिधियों ने अपने निर्वाचन क्षेत्रों में इस योजना का उद्घाटन किया। द्रमुक सांसद कनिमोई ने तूतीकोरिन में एक सरकारी स्कूल के बच्चों के साथ इस मौके पर नाश्ता किया।

सभी फिल्मों में हिंसा है, 'जेलर' को अलग नहीं कर सकते : मद्रास उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने राय दी है कि सभी फिल्मों में हिंसा होती है, 'जेलर' फिल्म को अलग नहीं किया जा सकता है। रजनीकांत अभिनीत फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग करने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका को मद्रास उच्च न्यायालय (एमएचसी) की पहली खंडपीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया गया था, जिसमें मुख्य न्यायाधीश एसवी गंगापुरवाला और पीडी औडिकेसवालु शामिल थे।

मुख्य न्यायाधीश (सीजे) ने याचिकाकर्ता से सवाल किया कि फिल्म दो हफ्ते पहले ही रिलीज हो चुकी है और लाखों युवा और बच्चे फिल्म देख चुके हैं, अब जनहित याचिका (पीआईएल) दायर करने का क्या मतलब है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि फिल्म में अत्यधिक हिंसा है जो युवाओं और बच्चों के मन में हिंसा भड़काएगी। सेंसर बोर्ड ने फिल्म के लिए यू/ए प्रमाणपत्र दिया है, जिसे रद्द किया जाना चाहिए और फिल्म को 'ए' प्रमाणित किया जाना चाहिए। वकील ने तर्क दिया कि एक ही फिल्म को अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम में ए प्रमाणित के रूप में रिलीज़ किया गया था। हालाँकि न्यायाधीश ने कहा कि पहले दायर की गई याचिका को जनहित याचिका के रूप में नहीं बल्कि प्रचार हित याचिका के रूप में देखा जाता है। इसके अलावा, मुख्य न्यायाधीश ने याचिका खारिज कर दी क्योंकि इसे याचिकाकर्ता ने वापस ले लिया था।

'द स्ट्रिंग पपेट शो' में जीवंत होगी कठपुतली कला

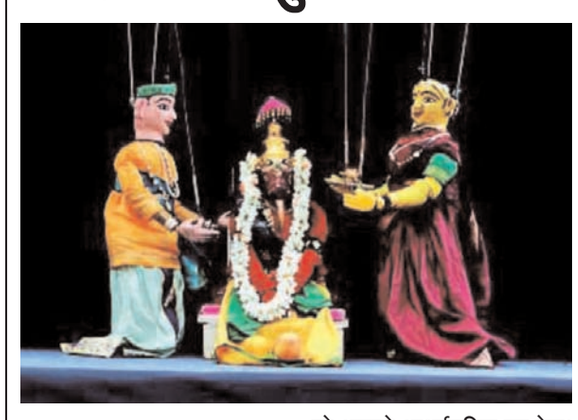

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां तिरुवन्मियूर में कलाक्षेत्र और पंबन स्वामी कोइल के सामने सीईआरसी प्रदर्शनी मैदान में शनिवार से कठपुतली शो होगा। इस बारे में जानकारी देते आयोजकों ने कहा कि 26 और 27 अगस्त को 'द स्ट्रिंग पपेट शो लाइव' होगा। इसका समय शाम 5 बजे से 6.30 बजे तक है। यहां एंट्री नि:शुल्क है।

आयोजकों ने कहा कि यह एक रोमांचक और मनमोहक प्रदर्शन है, जो आपको आश्चर्यचकित कर देगा। इस शो में खूबसूरती से तैयार की गईं कठपुतलियां होंगी, जो गति और कलात्मकता का मंत्रमुग्ध कर देने वाला प्रदर्शन करेंगी।

उन्होंने बताया कि कुशल कलाकार तारों का संचालन करते हैं, जिससे कठपुतलियां हरकत करती हैं। यह शो सभी उम्र के लोगों के लिए उपयुक्त है और बच्चों को कठपुतली की दुनिया से परिचित कराने का रोचक तरीका है। इसके अलावा यहां 100 से ज्यादा शॉपिंग स्टॉल, लाइव परफॉर्मेंस और बहुत कुछ उपलब्ध है।

सेंथिल बालाजी की हिरासत 28 अगस्त तक बढ़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में निर्वाचित सांसदों और विधायकों के खिलाफ मामलों की सुनवाई कर रही एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार राज्य के मंत्री वी. सेंथिल बालाजी की न्यायिक हिरासत तीन दिन बढ़ाकर 28 अगस्त तक कर दी। बालाजी को 14 जून को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नौकरियों के लिए नकद घोटाले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया था। उन्हें पुझल सेंट्रल जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विशेष अदालत के न्यायाधीश शिवकुमार के समक्ष पेश किया गया। न्यायाधीश ने उनकी न्यायिक हिरासत 28 अगस्त तक बढ़ा दी और जेल अधिकारियों को आगे की कार्रवाई के लिए उन्हें 28 अगस्त को शारीरिक रूप से पेश करने का निर्देश दिया।इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को बालाजी को पूछताछ के लिए हिरासत में लेने की इजाजत दे दी थी।

शीर्ष अदालत के आदेश के आधार पर प्रधान सत्र न्यायाधीश सुश्री एस.अल्ली से आवश्यक आदेश प्राप्त करने के बाद बालाजी से 8 से 12 अगस्त तक पांच दिनों तक पूछताछ की गई।

न्यायिक रिमांड हालांकि आठ अगस्त को समाप्त हो गया लेकिन पीएसजे कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बालाजी को पांच दिनों की ईडी हिरासत में दे दिया।ईडी की हिरासत 12 अगस्त को समाप्त होने के बाद उन्हें प्रधान सत्र न्यायाधीश के सामने पेश किया गया। जिन्होंने ईडी द्वारा बालाजी की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में एक मेडिकल रिपोर्ट पेश करने के बाद उनकी न्यायिक हिरासत आज तक बढ़ा दी थी। बालाजी की गिरफ्तारी के एक सप्ताह बाद निजी अस्पताल में बाइपास सर्जरी हुई थी।

पनीरसेल्वम को एक और झटका, मद्रास उच्च न्यायालय ने उनकी याचिका खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के अपदस्थ नेता ओ. पनीरसेल्वम (ओपीएस) को एक और झटका देते हुए शुक्रवार को उनकी वह याचिका खारिज कर दी, जिसमें उन्होंने जुलाई 2022 में आयोजित पार्टी की महापरिषद की बैठक में लिये गये फैसले को चुनौती दी थी। अन्नाद्रमुक महापरिषद ने ओपीएस तथा उनके साथियों को निष्कासित कर दिया था तथा ई. के. पलानीस्वामी को पार्टी का अंतरिम प्रमुख घोषित किया था।

पलानीस्वामी ने इसे 'न्याय, धर्म और सत्य' का फैसला बताया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर और मिठाइयां बांटकर अदालत के फैसले का जश्न मनाया। पिछले एक साल से महापरिषद के प्रस्तावों के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ रहे पनीरसेल्वम के लिए अदालत का यह फैसला एक और झटका साबित हुआ है। मद्रास उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने पिछले साल सितंबर में एकल न्यायाधीश के उस आदेश को रद्द कर दिया था, जिसमें पार्टी से संबंधित मामलों में 23 जून तक यथास्थिति बनाये रखने का आदेश दिया गया था।

पार्टी में पहले पनीरसेल्वम समन्वयक और पलानीस्वामी संयुक्त समन्वयक थे और वह निर्देश तत्कालीन मौजूदा दोहरी सत्ता संरचना को बनाये रखने के लिए था। इस आदेश ने पलानीस्वामी की स्थिति को अन्नाद्रमुक के एकल, सर्वोच्च नेता के रूप में स्थापित किया था। कुछ दिनों बाद उच्चतम न्यायालय ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ पनीरसेल्वम की याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें उन्हें पार्टी मुख्यालय की चाबियां पलानीस्वामी को सौंपने का निर्देश दिया गया था।

इसके अलावा, एकल न्यायाधीश ने पार्टी के 11 जुलाई के महापरिषद के प्रस्तावों के खिलाफ पनीरसेल्वम और उनके सहयोगियों की ओर से दायर याचिकाओं को 28 मार्च को खारिज कर दिया था। न्यायमूर्ति के. कुमारेश बाबू ने कहा था कि अन्नाद्रमुक महापरिषद की 11 जुलाई 2022 को आयोजित बैठक में पनीरसेल्वम के निष्कासन और पलानीस्वामी को तत्कालीन अंतरिम प्रमुख नियुक्त किये जाने संबंधी प्रस्ताव प्रथम दृष्टया वैध थे। न्यायमूर्ति आर. महादेवन और न्यायमूर्ति मोहम्मद शफीक की खंडपीठ ने शुक्रवार को पनीरसेल्वम को पार्टी से निष्कासित करने के मामले में भी हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

पीठ ने पनीरसेल्वम और उनके सहयोगियों आर. वैथिलिंगम, पॉल मनोज पांडियन और जेसीडी प्रभाकर द्वारा एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। एकल पीठ के आदेश में अन्नाद्रमुक महापरिषद की ओर से 11 जुलाई 2022 को पारित प्रस्तावों में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया गया था।

सामान्य परिषद अन्नाद्रमुक की निर्णय लेने वाली सर्वोच्च संस्था है। एकल न्यायाधीश के आदेश के तुरंत बाद 28 मार्च 2023 को पलानीस्वामी को अन्नाद्रमुक का महासचिव चुना गया था। यह पार्टी का शीर्ष पद होता है। खंडपीठ के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए पलानीस्वामी ने कहा, न्याय हमारे पक्ष में था, इसलिए अनुकूल फैसला आया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, श्रयह न्याय, धर्म और सत्य का फैसला है।'

अन्नाद्रमुक के वकील आईएस इंबादुरई ने बताया कि उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने पनीरसेल्वम और अन्य की याचिका खारिज कर दी है। उन्होंने बताया कि पीठ ने पुष्टि की है कि अन्नाद्रमुक पलानीस्वामी के नेतृत्व में काम कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि अदालत ने यह भी स्वीकार किया है कि महापरिषद पार्टी की सर्वोच्च संस्था है और उसका निर्णय ही अंतिम है। अन्नाद्रमुक तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी पार्टी है और पलानीस्वामी वर्तमान में राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं।

सूर्या रोशनी ने त्योहारी सीजन के लिए घरेलू उपकरणों की नई श्रृंखलाओं को लांच किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत के लाइटिंग उत्पाद की अग्रणी कंपनी सूर्या रोशनी ने अपने परिचालन के 50 वें वर्ष में त्योहारी सीजन को देखते हुए विशेष रूप से डिजाइन किए गए उत्पादों की एक श्रृंखला को प्रस्तुत किया है। कंपनी ने इन नवाचारों के विकास पर काफी निवेश किया हुआ है। उसी में से एक उत्पाद प्लैटिना एलईडी बल्ब है जो कि कमरे के कोने कोने को प्रकाश से भर देता है तथा साथ ही उर्जा का संरक्षण भी करता है । कंपनी ने न केवल कम बिजली खपत करने वाले बल्बों की श्रृंखला प्रस्तुत की है बल्कि इसके साथ ही कम ऊर्जा के दोहन से अधिक स्पीड से चलने वाले पंखे की एक विस्तारित श्रृंखला भी प्रस्तुत किया है। इसके साथ ही कंपनी ने मिक्सर, जूसर, हैवीवेट ड्राई आयन, इंडक्शन कुकटॉप, वाटर हीटर, जैसे अन्य घरेलू उपकरणों की विस्तृत श्रृंखला को बाजार में प्रस्तुत किया है।

कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जितेंद्र अग्रवाल ने कहा कि वह पूरी सूर्या टीम को उनके प्रयासों समर्पण और नए नवाचारों की खोज के लिए उन्हें बधाई देना चाहते हैं जिनके असाधारण प्रयासों से आने वाले त्योहारी सीजन में लोगों की जीवन में खुशी के उत्सव का संचार होगा।

न्यायालय का 24 हजार क्यूसेक कावेरी जल छोड़ने की तमिलनाडु की याचिका पर आदेश देने से इनकार

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने खड़ी फसलों के लिए कर्नाटक से प्रतिदिन 24,000 क्यूसेक कावेरी जल छोड़े जाने का आग्रह करने वाली तमिलनाडु सरकार की याचिका पर कोई आदेश देने से शुक्रवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति पी. के. मिश्रा की पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी द्वारा यह सूचित किए जाने के बाद कि प्राधिकरण की एक बैठक सोमवार को निर्धारित है, कर्नाटक द्वारा छोड़े गए पानी की मात्रा पर कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) से रिपोर्ट मांगी। पीठ ने यह भी कहा, हमें लगता है कि यह उचित होगा कि सीडब्ल्यूएमए इस पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे कि पानी छोड़े जाने के लिए जारी निर्देशों का पालन किया गया है या नहीं। कर्नाटक सरकार ने तमिलनाडु की याचिका को पूरी तरह से गलत बताया है जिसमें शीर्ष अदालत से यह निर्देश देने का आग्रह किया गया है कि उसे खड़ी फसलों के लिए प्रतिदिन कावेरी नदी का 24,000 क्यूसेक जल छोड़ने के लिए कहा जाए। कर्नाटक सरकार ने शीर्ष अदालत में दायर एक हलफनामे में कहा है कि तमिलनाडु की याचिका इस गलत धारणा पर आधारित है कि वर्तमान जल वर्ष एक सामान्य जल वर्ष है, न कि संकटग्रस्त जल वर्ष।

निरीक्षण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के निर्देशानुसार खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन तथा राज्य के हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के मंत्री पी के शेखर बाबू के आदेशानुसार चेन्नई के वार्ड नंबर 57 से द्रमुक पार्षद राजेश जैन रंगीला ने मिन्ट स्ट्रीट में चल रहे बरसाती नालों के कार्यों का निरीक्षण कॉर्पोरेशन के अधिकारियों के साथ किया। राजेश जैन ने अधिकारियों से जैन पर्व पर्युषण और बाबा रामदेव के मेले एवं अन्य कार्यक्रमों के मद्देनजर कार्यों को शीघ्र ही पूरा करने का अनुरोध किया।

प्रज्ञानानंदा के कैंडिडेट टूर्नामेंट में पहुंचने से काफी खुशी मिली : नागलक्ष्मी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/बाकू (अजरबैजान)। भारतीय शतरंज के नये सिरमौर आर प्रज्ञानानंदा की मां आर नागलक्ष्मी ने कहा कि उनके 18 साल बेटे को इस खेल में अभी लंबा सफर तय करना है लेकिन कैंडिडेट टूर्नामेंट में जगह पक्की होने की उन्हें काफी खुशी है। कैंडिडेट टूर्नामेंट के विजेता को मौजूदा विश्व चैंपियन डिंग लीरेन के सामने चुनौती पेश करने का मौका मिलेगा। दिग्गज विश्वनाथ आनंद के बाद प्रज्ञानानंदा दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने कैंडिडेट टूर्नामेंट में जगह बनाई है।

वह गुरुवार को फिडे विश्व कप शतरंज के फाइनल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन से टाइब्रेक में 1.5 – 0.5 से हार गए । वह इस टूर्नामेंट का फाइनल खेलने वाले सबसे युवा और आनंद के बाद सिर्फ दूसरे भारतीय है। प्रज्ञानानंदा की सफलता में नागलक्ष्मी ने अहम भूमिका निभाई है। वह अपने बेटे के अभ्यास और मैच से पहले अनुकूल माहौल सुनिश्चित करके और लगभग सभी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में मौजूद रहती है।

उन्होंने कहा, 'हमें बेहद खुशी है कि वह टूर्नामेंट में इतनी दूर तक आया। इस से अधिक खुशी इस बात की है कि वह कैंडिडेट टूर्नामेंट में हिस्सा लेगा।' उन्होंने यह भी कहा कि प्रज्ञानानंदा बाकू से जर्मनी होते हुए 30 अगस्त को भारत लौटेगा। विश्व कप के दौरान नागलक्ष्मी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गयी। एक तस्वीर में वह कुर्सी पर बैठ कर अपनी एक आंख को पोछ रही है तो वहीं दूसरी तस्वीर वह प्रज्ञानानंदा जब मीडिया से बात कर रहे है तब वह चेहरे पर मुस्कान के साथ अपने बेटे को निहार रही है।

उनसे जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'विश्व कप के क्वार्टर फाइनल (प्रतिद्वंद्वी अर्जुन ऐरिगेसी) के दौरान मैं यह सोचने में डूबी हुई थी कि प्रज्ञानानंदा क्या कर रहा है। मेरे दिमाग में केवल यही बात चल रही थी। बाद में मुझे पता चला कि वो तस्वीरें वायरल हो गई है। मुझे तो पता ही नहीं था कि उन्होंने वो तस्वीरें खींची हैं।'प्रज्ञानानंदा ने इस मैच को पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 5-4 से जीत दर्ज की। उन्होंने उसके बाद विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज अमेरिका के ग्रैंडमास्टर फाबियानो कारूआना को हराया।

नागलक्ष्मी ने कहा, उसे इस मुश्किल मुकाबले में जीत हासिल करते देखकर मैं गौरवान्वित हुई थी। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन का फोन आने से उनका परिवार अभिभूत' था।

नागलक्ष्मी ने कहा, हमारे पास मुख्यमंत्री का फोन आया। यह हमारे लिए आश्चर्यजनक था। यह एक अभिभूत करने वाला क्षण था क्योंकि जब उन्होंने फोन किया, तब रात में बहुत देर हो चुकी थी (भारतीय समय के मुताबिक)। इसके बाद भी फोन कर प्रज्ञानानंदा को शुभकामना देने के लिए समय निकाला। नागलक्ष्मी ने कहा, मैंने उनसे भी बात की और यह सुनकर अच्छा लगा कि वह चेन्नई से इस मैच को देख रहे थे।

राज्यपाल ने तमिलनाडु भूमि समेकन अधिनियम, 2023 विधेयक को मंजूरी दी

चेन्नई। राज्य सरकार द्वारा पारित तमिलनाडु भूमि समेकन (विशेष परियोजनाओं के लिए) अधिनियम, 2023 विधेयक के विरोध के बीच, राज्यपाल आरएन रवि ने अपनी सहमति दे दी है, जिसके बाद एक गजट अधिसूचना जारी की गई है।

तमिलनाडु भूमि समेकन (विशेष परियोजनाओं के लिए) अधिनियम, 2023, जो हाल के विधानसभा सत्र के आखिरी दिन 21 अप्रैल को पारित किया गया था, कुछ शर्तों के साथ भूमि पार्सल पर परियोजनाओं की अनुमति देगा, जिनमें जल निकाय, चैनल या धाराएं हैं। अधिनियम परियोजना समर्थकों को परियोजना भूमि के विकल्प के रूप में किसी अन्य स्थान पर भूमि सौंपने की अनुमति देगा, जिसमें जल निकाय या धाराएँ हों। यदि किसी परियोजना को विशेष परियोजना घोषित किया जाता है तो उसे जल निकायों पर क्रियान्वित किया जा सकता है। विधेयक में कहा गया था कि भूमि स्थानीय निकाय अधिनियम जैसे विभिन्न क़ानूनों द्वारा शासित होती है, जो सरकारी भूमि को ऐसे स्थानीय निकायों में निहित करती है। कई कानूनों में कार्यकारी निर्देशों और भूमि के संदर्भों की इस बहुलता के कारण भूमि के समेकन में देरी और अनिश्चितता होती है, जिससे समय और लागत में वृद्धि होती है और सार्वजनिक धन की हानि होती है।

चेन्नईयिन एफसी ने डूरंड कप क्वार्टरफाइनल से पहले डिफेंडर गोलुई से करार किया

चेन्नई। चेन्नईयिन एफसी ने एफसी गोवा के खिलाफ डूरंप कप क्वार्टरफाइनल मैच से पहले अपनी रक्षापंक्ति को मजबूती देने के लिए शुक्रवार को सार्थक गोलुई से करार किया। डूरंड कप क्वार्टरफाइनल मैच शनिवार को गुवाहाटी में खेला जायेगा। कोलकाता में जन्में गोलुई को ईस्ट बंगाल एफसी से लोन (ऋण) पर लिया गया जो 2021 में मुंबई सिटी एफसी के इंडियन सुपर लीग में विजयी अभियान में उसका हिस्सा थे। वह चार मौकों पर राष्ट्रीय टीम का भी प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

जी-20 व्यापार, निवेश मंत्रियों की बैठक में परिणामी दस्तावेज स्वीकृत : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि जी-20 व्यापार और निवेश मंत्रियों की बैठक में एक परिणामी दस्तावेज को स्वीकृत किया गया है। उन्होंने कहा कि साथ ही अध्यक्ष के सारांश को भी अपनाया गया, जिसमें वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देने और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) को समर्थन देने की बात कही गई है। मंत्री ने यहां दो दिवसीय बैठक के समापन के बाद कहा कि दस्तावेज में कई नयी बातें हैं। परिणामी दस्तावेज में डब्ल्यूटीओ सुधारों, भविष्य के लिए तैयार वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं और डिजिटलीकरण के बारे में सुझाव दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि 17 पेज के बयान में केवल एक पैरा ऐसा है, जहां 'स्पष्ट कारणों से आम सहमति नहीं बन सकी।'

उदयपुर हवाई अड्डे का विस्तार करने के लिए 145 एकड़ जमीन निःशुल्क देगी राजस्थान सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उदयपुर हवाई अड्डे के विकास

तथा विस्तार के लिए अतिरिक्त 145 एकड़ भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराने को मंजूरी दे दी है। एक सरकारी बयान के अनुसार इस जमीन के अधिग्रहण पर लगभग 83.50 करोड़ रुपये की लागत आएगी जो उदयपुर नगर विकास न्यास वहन करेगा। इसके अनुसार गहलोत द्वारा दी गई इस स्वीकृति से उदयपुर हवाई अड्डे पर सुविधाओं का विस्तार हो सकेगा, जिससे यात्रियों को सुगमता होगी। प्रस्तावित भूमि उदयपुर के वर्तमान हवाई अड्डे के नजदीकी चार गांवों डबोक, घणोली, दुस डांगीयान एवं भदेसर में स्थित है। एक अन्य फैसले के तहत गहलोत ने राज्य के आंगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों के लिए वर्दी खरीद की मद में 125.80 करोड़ रुपये के अतिरिक्त प्रावधान को मंजूरी दी है। इससे आंगनबाड़ी केन्द्रों के तीन से छह वर्ष के प्रत्येक बच्चे को दो जोड़ी रेडीमेड वर्दी (2 टी-शर्ट एवं 2 पेन्ट) उपलब्ध करवाई जाएगी। इससे 62 हजार आंगनबाड़ी केन्द्रों के 16.89 लाख बच्चे लाभान्वित होंगे।

साम्प्रदायिक तनाव फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि अपराधों के विरूद्ध रेस्पॉन्स टाइम में राजस्थान पूरे देश में अव्वल है। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा लगभग सभी आपराधिक घटनाओं का खुलासा कर अपराधियों को पकड़ा जा रहा है और न्यूनतम समय में उनको सजा दी जा रही है। प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत बनाए रखने और इसके समक्ष आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए हमारी सरकार हरसंभव प्रयास व नवाचार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून-व्यवस्था सुचारू रखने और पीड़ितों को न्याय दिलवाने की जिम्मेदारी पुलिस के कंधों पर है। अपराधियों के साथ संलिप्तता पाए जाने पर पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों की बर्खास्तगी जैसी कड़ी कार्रवाई भी की जा रही है। मिशन-2030 के तहत वर्ष 2030 तक के लिए पुलिस विभाग का रोडमैप तैयार किया जाएगा।

गहलोत शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 100 फर्स्ट रेस्पोंस व्हीकल को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि साम्प्रदायिक तनाव फैलाने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। हमारी प्राथमिकता यह है कि अपराधियों को ऐसे अपराध करने का मौका ही नहीं मिलना चाहिए। पुलिस को आदर्श वाक्य 'आमजन में विश्वास, अपराधियों में भय' को चरितार्थ करने के लिए राज्य सरकार द्वारा किए गए नवाचारों को प्रतिबद्धता से लागू करना होगा। उन्होंने कहा कि दिसंबर तक अभय कमाण्ड के तहत पूरे प्रदेश में 3 हजार से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। जिससे सघन निगरानी की जा सकेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दौसा की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। इस दौरान कर्तव्य पालन के दौरान जान गंवाने वाले कांस्टेबल प्रहलाद को 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। कांस्टेबल प्रहलाद के एक परिजन को सरकारी नौकरी, मुख्यमंत्री सहायता कोष से 20 लाख रुपए सहित कुल 1 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता एवं पारिवारिक पेंशन, एमआईजी-ए श्रेणी का मकान, कृषि कार्य के लिए कनेक्शन एवं गैलेंट्री सम्मान के लिए केन्द्र सरकार को पत्र लिखने सहित नियमानुसार विभिन्न राहत दी जाएगी।

आरोपियों के खिलाफ मुकदमे को फास्ट ट्रैक कोर्ट में लाया जाएगा तथा स्पेशल पी.पी. नियुक्त किया जाएगा। गहलोत ने इस घटना के अपराधी को 36 घंटे के अंदर पकड़ने पर पुलिस कार्रवाई को सराहा। बैठक में बताया गया कि अनुसंधान में लगने वाले औसत समय में निरन्तर कमी आ रही है। दुष्कर्म मामलो में औसत अनुसंधान समय वर्ष 2017 में 208 दिन से घटकर अब 59 दिन रह गया है। एससी-एसटी मामलों में वर्ष 2019 में 128 दिन से घटकर अब 65 दिन रह गया है। महिला अत्याचार प्रकरणों में 45.2 प्रतिशत सजा दर के साथ राजस्थान देश का अग्रणी राज्य है। इन प्रकरणों में सजा दर का राष्ट्रीय औसत मात्र 26.5 प्रतिशत है। पॉक्सो मामलों में 13 लोगों को फांसी की सजा दी जा चुकी है। महिलाओं के साथ मनचलों द्वारा छेड़छाड़ की घटनाओं को रोकने के लिए ऑपरेशन गरिमा संचालित किया जा रहा है। इस तरह के अवांछित कृत्य करने वालों के विरूद्ध चालान होने पर उनके चरित्र सत्यापन में इसका उल्लेख किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध हथियार, मादक पदार्थ जैसे संगठित अपराधों के नियंत्रण के लिए व्यापक कार्य-योजना बनाकर 'ऑपरेशन वज्र प्रहार' जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं और इसमें लिप्त अपराधियों पर सख्त कार्यवाही की जा रही है। साथ ही, एनडीपीएस के मामलों में लिप्त अपराधियों की सम्पत्ती जब्त करने की कार्रवाई भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं में मादक पदार्थों के सेवन के बढ़ते प्रचलन पर नियंत्रण एवं पुनर्वास हेतु संवेदनशीलता के साथ कार्य करने की आवश्यकता है।

दलित छात्र का शव कक्षा में फंदे से लटका मिला, दो अध्यापकों के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कोटपूतली-बहरोड़ जिले के प्रागपुरा इलाके में जवाहर नवोदय स्कूल की दसवीं कक्षा में पढ़ने वाले एक दलित छात्र का शव उसकी कक्षा में फंदे से लटका हुआ पाया गया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार घटना बुधवार की है और छात्र के परिवार के सदस्यों ने दो आरोपी शिक्षकों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरना देते हुए शव नहीं लिया है। उनका आरोप है कि छात्र की हत्या कर शव को फंदे से लटका दिया गया।

कोटपूतली-बहरोड़ की पुलिस अधीक्षक (एसपी) रंजीता शर्मा ने कहा कि 15 वर्षीय लड़के का शव बुधवार सुबह उसकी कक्षा में लटका हुआ मिला। उसके परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि लड़के की दो शिक्षकों ने हत्या कर दी और शव को कक्षा में लटका दिया। एसपी ने कहा कि छात्र के परिवार वालों ने दोनों शिक्षक पर उसे परेशान करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा, ''अब तक शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका है क्योंकि परिवार के लोग धरना दे रहे हैं। उन्हें मनाने की कोशिशें जारी हैं।'

' पुलिस ने बताया कि आरोपी शिक्षकों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 सहित संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

गंगनहर के किसानों को पर्याप्त पानी के लिए मालवीय जाएंगे पंजाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार गंगनहर क्षेत्र के किसानों को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के लिए गंभीर है और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जल संसाधन मंत्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीय को निर्देश दिए हैं कि वह इस मुद्दे पर पंजाब जाकर सिंचाई मंत्री सहित उच्च अधिकारियों से बातचीत करें ताकि किसानों को पर्याप्त पानी मिल सके। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने गुरूवार को पंजाब के सिंचाई विभाग के अधिकारियों से बातचीत की और नहर में पानी बढ़वाने के प्रयास किए। अब मालवीय पंजाब जाएंगे जहां वह सिंचाई मंत्री और अधिकारियों से बातचीत कर गंगनहर में पानी की मात्रा बढ़ाने के लिए प्रयास करेंगे।

गहलोत ने पूर्व में इस संबंध में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से बातचीत की थी। भगवंत मान ने आश्वासन दिया था कि पानी की मात्रा बढ़ाई जायेगी लेकिन कुछ कारणों से यह सम्भव नहीं हो सका है। गहलोत ने इस संबध में मान से पुनः संपर्क कर रहे है। राजस्थान सरकार इस संबंध में सजगता के साथ स्थिति की निगरानी कर रही है। गहलोत ने बताया कि सिंचाई विभाग के उच्च स्तरीय अधिकारी पिछले तीन दिनों से पंजाब में सिंचाई विभाग के अधिकारियों से संपर्क करते हुए नहर में पानी बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं। अमरजीत मेहरडा के साथ सिंचाई विभाग के उच्च अधिकारियों का दल पंजाब में ही है और वहां के सिंचाई विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर नहर में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कर रहा है।

राज्य सरकार के निर्देश पर जिला प्रशासन श्रीगंगानगर द्वारा सिंचाई के लिए पानी के मुद्दे पर गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। गंगनहर में पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के लिए लगातार पंजाब के सिंचाई विभाग से बातचीत की जा रही है। आशा है कि इन प्रयासों से गंगनहर में पानी की मात्रा बढ़ेगी और किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सकेगा।

वैश्विक रैंकिंग में अग्रणी स्थान बनाने के लिए कार्य करें विश्वविद्यालय : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने आह्वान किया है कि विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति को बेहतर ढंग से लागू करते हुए वैश्विक स्तर पर उच्च शिक्षा में हो रहे बदलावों को अपनाएं और वैश्विक रैंकिंग में अग्रणी स्थान बनाने के लिए कार्य करें। राज्यपाल मिश्र शुक्रवार को राजभवन में विश्वविद्यालयों में नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित कुलपति संवाद में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के जो राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालय यूजीसी अधिनियम की धारा 12-बी की सूची में नहीं है, वे इसमें शामिल होने के लिए यथोचित कार्यवाही करें ताकि उन्हें केन्द्र सरकार व अन्य संस्थाओं द्वारा दी जाने वाली सहायता सुमचित रूप से प्राप्त हो सके।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने स्तर पर शोध की संस्कृति विकसित कर मौलिक और नई स्थापनाएं दे सकें, इस उद्देश्य से उच्च शिक्षा में एक शीर्ष निकाय के रूप में नेशनल रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना की पहल की गयी है।

उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में व्यावहारिक सोच, कौशलपरक, व्यावसायिक एवं मूल्य आधारित शिक्षा तथा उद्योगों से जुड़ाव पर विशेष रूप से बल दिया गया है। उन्होंने कहा कि इसमें उद्योगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विषय विशेष के अध्ययन के साथ दूसरे विषयों की बुनियादी समझ विकसित करने पर भी विशेष ध्यान दिया गया है।

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि देश में नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद इसे लागू करने की दिशा में पहल करने वाले राज्यों में राजस्थान अग्रणी रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपने स्तर पर बहुत से नवाचारों के साथ नई शिक्षा नीति को लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, यह प्रसन्नता की बात है। सभी कुलपतियों ने बैठक में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने की दिशा में हुई प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कई विश्वविद्यालयों में प्रथम वर्ष में नई शिक्षा नीति लागू कर दी गई है।

नए पाठ्यक्रम तैयार किए जाने, एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट, विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ डुअल डिग्री पाठ्यक्रम, विद्यार्थी आदान-प्रदान, इंडस्ट्री इंस्टीट्यूट इंटरेक्शन, ह्यूमन डवलपमेंट सेल, आइडिया डवलपमेंट सेल, रिसर्च एण्ड डवलपमेंट सेल, पेटेंट डवलमेंट सेल, आइडिया डवलमेंट सेल सहित विभिन्न बिन्दुओं पर कुलपतियों द्वारा जानकारी दी गई। राज्यपाल के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार ने कुलपति संवाद में कहा कि विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात मौजूदा 28 प्रतिशत से बढ़ाकर आगामी वर्षों में 50 प्रतिशत तक ले जाने के लक्ष्य को लेकर कार्य करें।

बच्चों में 'असुरक्षित स्पर्श' के प्रति समझ विकसित करने के लिए सरकार की अनूठी पहल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। बच्चों में 'गुड टच-बैड टच' की समझ विकसित कर उनके प्रति यौन दुर्व्यवहार की घटनाओं पर अंकुश लगाने और समाज को 'चाईल्ड अब्यूज' से मुक्त करने के उद्देश्य से राजस्थान के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शनिवार को 'सुरक्षित स्कूल-सुरक्षित राजस्थान' अभियान के 66 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों में एक ही दिन में असुरक्षित स्पर्श के प्रति जागरूकता के लिए विशेष अभियान आयोजित होगा। इसके तहत सरकारी विद्यालयों में करीब 60 लाख विद्यार्थियों को प्रातः 8 बजे से 12 बजे के मध्य 'गुड टच बैड टच' के बारे में प्रशिक्षित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश की स्कूलों में संचालित इस अभियान की सराहना की है। उन्होंने शनिवार को सभी सरकारी स्कूलों में बच्चों को प्रशिक्षण देने वाले ट्रेनर्स (प्रशिक्षित शिक्षकों) से अपील की है कि वे व्यक्तिगत रुचि लेकर विद्यार्थियों को इस संवेदनशील विषय के बारे में पूरी तरह जागरूक करें, जिससे प्रदेश और समाज में मासूम बच्चों के इर्द-गिर्द एक सुरक्षा का चक्र बन जाए। गहलोत ने विश्वास व्यक्त किया है कि राज्य के सारे विद्यालयों में 'गुड टचबैड टच' के बारे में शनिवार को प्रथम चरण के प्रशिक्षण सत्र के बाद, जब आगामी 6 माह में दो बार इसका रिपीटिशन होगा तो इससे समाज में चाइल्ड एब्यूज के प्रकरणों को कम करने में मदद मिलेगी।

स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने बताया कि शनिवार को 'नो बैग डे' पर राज्य के समस्त प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और उच्च माध्यमिक सरकारी विद्यालयों के साथ ही सभी महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय और स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए इन विशेष प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया जाएगा। एक ही दिन में प्रदेश के सभी स्कूलों में एक साथ होने वाले इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने बताया कि गत दिनों प्रदेश स्तर पर 1200 अधिकारियों और कार्मिकों को 'गुड टच-बैड टच' के बारे में विशेष प्रशिक्षण दिया गया था।

सहकारजन की भागीदारी से बनेगा 2030 का विजन डॉक्यूमेन्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव, सहकारिता श्रीमती श्रेया गुहा ने कहा कि विजन डॉक्यूमेन्ट, 2030 के माध्यम से राजस्थान के विकास को गति देने के लिए सहकारजन की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए 28 अगस्त 2023 से 9 सितम्बर, 2023 तक संभाग एवं जिला स्तर पर हितधारक परामर्श सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। श्रीमती गुहा शुक्रवार को सहकार भवन में विजन डॉक्यूमेन्ट, 2030 के संबंध में विभागीय अधिकारीयों एवं शीर्ष संस्थाओं के प्रतिनिधियों की बैठक को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि सहकारिता के कार्यों में विविधता लाना आवश्यक है ताकि वर्तमान चुनौतियों के अनुरूप सहकारी संस्थाएं अपने कार्यों को अंजाम दे सके। उन्होंने कहा कि संभाग एवं जिला स्तर पर हितधारक सम्मेलन के माध्यम से सहकारजन से राजस्थान में 2030 में सहकारिता के विकास एवं चुनौतियों के बारे में चर्चा करते हुए सुझाव लिए जाएंगे। सहकारिता के प्रत्येक आयाम को विजन डॉक्यूमेन्ट, 2030 में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सहकारिता का दायरा बहुत बडा है इसकी अपनी विश्वसनीयता है एवं लोगों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में योगदान है। ऐसे में अधिकारी मेहनत के साथ विजन डॉक्यूमेन्ट, 2030 बनाने में व्यापक दृष्टिकोण रखें। रजिस्ट्रार सहकारिता मेघराज सिंह रतनू ने कहा कि राजस्थान में हरित क्रांति और श्वेत क्रांति में सहकारी संस्थाओं यथा सीसीबी, पीएलडीबी, पैक्स, दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ एवं प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों का प्रमुख भूमिका रही है।

बदमाशों की गोली से घायल कांस्टेबल का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में बदमाशों की गोली से घायल हुए पुलिस कांस्टेबल प्रहलाद सिंह (34) का शुक्रवार को यहां निधन हो गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सिंह के निधन की पुष्टि करते हुए इसे राजस्थान पुलिस के लिए बड़ा नुकसान बताया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कांस्टेबल के परिजनों को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। गहलोत के कहा कि कांस्टेबल के एक परिजन को अनुकंपा नियुक्ति देने, पारिवारिक पेंशन देने, एक मकान देन और एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने का फैसला किया गया है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को दौसा जिले के सिकंदरा थाना क्षेत्र के रेटा गांव में बाइक चोर कुछ बदमाशों ने पीछा कर रहे पुलिसकर्मियों पर गोलीबारी कर दी थी। इसमें जिला विशेष बल (डीएसटी) के कांस्टेबल कांस्टेबल प्रहलाद सिंह घायल हो गए। उनके सिर में गोली लगी थी और उन्हें उपचार के लिए जयपुर के सवाई मान सिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मुख्यमंत्री गहलोत की शुक्रवार दोपहर को पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ पूर्व प्रस्तावित समीक्षा बैठक हुई। इसमें दो मिनट का मौन रखकर कांस्टेबल प्रहलाद को श्रद्धांजलि दी गई। बैठक के बाद गहलोत ने इसे दुखद घटना बताते हुए कांस्टेबल के परिजनों को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की।

रक्षा सूत्र

संसदीय क्षेत्र कोटा के सांगोद में शुक्रवार को बहनों से रक्षा सूत्र बंधवाते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला।

आधारहीन और बेतुके बयान देना राहुल गांधी की आदत : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने शुक्रवार को राहुल गांधी के इस आरोप को निराधार और बेतुका बताते हुए खारिज कर दिया कि चीन ने भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण किया है। पार्टी ने जोर देकर कहा कि यह विपक्षी पार्टी है जिसने चीन के मामलों में 'ऐतिहासिक, अक्षम्य अपराध' किया है।

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के चुनिंदा कार्यों का हवाला देते हुए कहा कि उनकी सरकार ने 1952 में चीनी सेना के उपभोग के लिए 3,500 टन से अधिक चावल भेजा था। उन्होंने कांग्रेस से मांग की कि जब संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सत्ता में थी तो उस दौरान चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ हुए कथित समझौते का ब्योरा उसे जारी करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि जब चीन के साथ भारत के संबंध तनावपूर्ण होने लगे थे तब चीनी सेना के लिए चावल भेजने का फैसला कोई गलती नहीं थी बल्कि एक 'ऐतिहासिक और अक्षम्य' अपराध था। राहुल गांधी को चीन के बारे में आधारहीन और बेतुकी टिप्पणी करने की आदत है। उन्होंने कहा

कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भारत, उसके लोगों और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर इसी तरह की टिप्पणी करते रहे हैं। त्रिवेदी ने कहा कि डोकलाम संकट के दौरान उन्होंने चीनी राजदूत से मुलाकात की थी। भाजपा नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने भारत के सैन्य, राजनयिक और आर्थिक मामलों से निपटने में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि विपक्ष में रहते हुए कांग्रेस ने हमेशा देश को कमजोर करने की कोशिश की है और विपक्षी पार्टी को भाजपा से सीखना चाहिए जिसने संकट के दौरान तत्कालीन सरकारों का समर्थन किया, चाहे वह पाकिस्तान हो या चीन। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने आतंकवाद को समर्थन देने के लिए पाकिस्तान को सजा देने से इनकार कर दिया क्योंकि उसे लगा कि इससे शांति वार्ता को नुकसान होगा, जबकि प्रधानमंत्री मोदी की नीति यह है कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते। उन्होंने कहा कि आज शांति और सुरक्षा का माहौल है जबकि संप्रग के शासनकाल में आतंकवादी विस्फोट नियमित रूप से होते थे। सीमा का मुद्दा उठाते हुए गांधी ने शुक्रवार को करगिल में एक जनसभा में कहा था कि लद्दाख में हर व्यक्ति जानता है कि चीन ने 'हमारी जमीन छीन' ली है। उन्होंने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री मोदी का यह दावा 'पूरी तरह गलत' है कि एक इंच भी जमीन नहीं छीनी गई। त्रिवेदी ने 'द कश्मीर फाइल्स' को राष्ट्रीय पुरस्कार दिए जाने की विपक्ष द्वारा आलोचना किए जाने का भी मजाक उड़ाया।

शिवपाल का राजभर पर निशाना, कहा- चुनाव जीतकर दलाली करते हैं

मऊ (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके जैसे नेता चुनाव जीतकर दलाली करते हैं।

उप्र के मऊ जिले में घोसी विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में सपा उम्मीदवार सुधाकर सिंह का चुनाव प्रचार करने यहां पहुंचे शिवपाल सिंह ने पत्रकारों से यह बात कही। ओमप्रकाश राजभर को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में शिवपाल ने कहा, ओमप्रकाश राजभर जैसे नेता चुनाव जीतकर दलाली करते हैं। सम्मानित राजभर समाज के लोगों से तो हम कहेंगे कि जो यहां से चुनकर जाते हैं, वे वहां पर दलाली करते हैं। इन पर भरोसा नहीं करना चाहिए। जब यादव को राजभर के उस बयान की याद दिलाई गई जिसमें उन्होंने दावा किया है कि अखिलेश यादव कभी मुख्यमंत्री नहीं बन पाएंगे, तो प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सपा नेता ने कहा, ये ऐसी ही बात करते हैं, इनकी किसी बात का कोई ठिकाना नहीं है, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के बारे में कुछ दिनों पहले क्या बोल रहे थे।

राहुल गांधी ने अमेठी का अपमान किया : स्मृति ईरानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमेठी (उप्र)/भाषा। केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने शुक्रवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि अमेठी छोड़ कर जब वो दक्षिण भारत गए तो वहां से उन्होंने अमेठी की जनता, अमेठी का अपमान किया। स्मृति ईरानी ने ट्रामा सेंटर जगदीशपुर में सिटी स्कैन एवं डायग्नोस्टिक सेंटर का शुक्रवार को उद्घाटन किया।

इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में राहुल गांधी के अमेठी से चुनाव लड़ने के सवाल पर स्मृति ने कहा, लोकतंत्र में किसी को भी कहीं से भी चुनाव लड़ने का अधिकार है। वह (राहुल गांधी) अपनी पार्टी के मालिक हैं, लेकिन मैं अपनी पार्टी की एक साधारण सी कार्यकर्ता हूं। उन्होंने कहा, लेकिन अमेठी छोड़ कर जब वो दक्षिण भारत गए तो वहां से उन्होंने अमेठी की जनता का अपमान किया, अमेठी का अपमान किया। अमेठी उसे भूली नहीं है।

राहुल की तरह दो जगह से चुनाव लड़ने के सवाल पर स्मृति ने कहा, भागने की प्रथा उनके यहां है, मेरे यहां नहीं।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष अजय राय ने बृहस्पतिवार को कहा, कांग्रेस और राहुल गांधी का अमेठी से रिश्ता राजनीतिक नहीं बल्कि पीढ़ियों का है और उन्हें विश्वास है कि आगामी लोकसभा चुनाव में अमेठी के लोग भारी अंतर से राहुल की जीत सुनिश्चित करेंगे। अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद राय ने कहा था कि अमेठी की जनता चाहती है कि राहुल गांधी अमेठी से ही चुनाव लड़ें।

ईरानी ने कहा, वह कभी भी अमेठी में अकेले चुनाव नहीं लड़ पाए हैं, अमेठी में साइकिल पर बैठकर सड़कों पर घूमा करते थे, फिर भी इनको तीन-तीन लोगों का समर्थन होता था और एक तरफ हम अकेले होते थे।

हम चांद पर पहुंचे मानव को अंतरिक्ष में भेजना इसरो का अगला लक्ष्य: मणिपुर के रॉकेट वैज्ञानिक

कोलकाता/भाषा। काम के प्रति अपने प्रेम के कारण एक रॉकेट वैज्ञानिक दो वर्ष से अधिक समय से मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में स्थित अपने घर नहीं गए हैं। यह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिक निंगथौजम रघु सिंह हैं जो चंद्रयान-3 को चंद्रमा पर भेजने का दायित्व निभाने वाले लोगों में से एक हैं।

सिंह ने पीटीआई-भाषा से कहा, मुझे घर की याद आती है, लेकिन अपने काम की प्रकृति के कारण मैं लगभग दो वर्ष से वहां नहीं गया हूं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें नहीं पता कि वह अगली बार घर कब जाएंगे। सिंह ने कहा, लेकिन, मुझे अपने माता-पिता के साथ लगभग हर दिन बातचीत करने के लिए व्हाट्सऐप और फेसबुक जैसी प्रौद्योगिकी को धन्यवाद देना चाहिए। भारत की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धियों में से एक के तहत चंद्रयान-3 ने 23 अगस्त को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक 'सॉफ्ट-लैंडिंग' कर इतिहास रच दिया। सिंह ने कहा, चंद्रयान-3 की चंद्रमा पर लैंडिंग भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के और भी अधिक महत्वाकांक्षी अगले अध्याय की शुरुआत है, जिसमें सूर्य का अध्ययन किया जाएगा और गगनयान कार्यक्रम के तहत एक भारतीय मंच पर भारतीयों को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा।

चंद्रयान-3 की लागत हॉलीवुड की अंतरिक्ष पर आधारित फंतासी फिल्म से भी कम: सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। चंद्रयान-3 की सफलता से गदगद विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को कहा कि करीब 600 करोड़ रुपए की इस किफायती परियोजना की लागत अंतरिक्ष और चंद्रमा के विषय पर हॉलीवुड में बनने वाली एक फंतासी फिल्म से भी कम है।

सिंह ने इंदौर में 26वें राष्ट्रीय ई-प्रशासन सम्मेलन में भाग लेने के बाद चंद्रयान-3 पर चर्चा के एक सत्र में कहा कि भारत ने अन्य देशों के मुकाबले बेहद किफायती लागत वाले अंतरिक्ष अभियानों को अमली जामा पहनाया है। यह सत्र इंदौर के लोकसभा सांसद शंकर लालवानी ने अलग से आयोजित किया था। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा, चंद्रयान-3 की लागत केवल 600 करोड़ रुपए है। हॉलीवुड में अंतरिक्ष और चंद्रमा के

विषय पर बनने वाली केवल एक फंतासी फिल्म की लागत 600 करोड़ रुपए से ज्यादा होती है।

सिंह ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, मैं इन दिनों ज्यादा फिल्में नहीं देखता, लेकिन कल मुझे एक व्यक्ति ने बताया कि (भारत में) आजकल एक-दो अभिनेता एक फिल्म के बदले 100 करोड़ रुपए तक फीस लेते हैं। मैं यह बात जानकर हैरान रह गया क्योंकि गुजरे जमाने में दिलीप कुमार जैसे बड़े अभिनेता पांच-छह लाख रुपए लेकर देवदास सरीखी फिल्मों में काम कर देते थे। उन्होंने बताया कि चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान-3 के प्रयोग बृहस्पतिवार से शुरू हो गए हैं जो कुल 14 दिन चलने हैं। सिंह ने जोर देकर कहा कि ये प्रयोग चंद्रमा के बारे में नए वैज्ञानिक अनुसंधानों की जमीन तैयार करेंगे।

सिंह ने कहा, चंद्रमा की सतह पर ऑक्सीजन और हाइड्रोजन की उपस्थिति के बारे में वैज्ञानिक अनुसंधानों से हमें इस प्रश्न का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष उत्तर मिल सकता है कि चंद्रमा पर मानव जीवन की संभावना है या नहीं? यह बात अन्य देशों के चंद्रमा अभियानों से एकदम अलग होगी। उन्होंने यह भी कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता साबित करती है कि भारत, अंतरिक्ष अनुसंधान में अग्रणी चुनिंदा देशों के बराबरी के स्तर पर पहुंच गया है और कुछ क्षेत्रों में इन मुल्कों की अगुवाई भी कर सकता है। सिंह ने कहा, अमेरिका ने भले ही नील आर्मस्ट्रांग के रूप में पहले मानव को 1969 में चांद पर उतारा था, लेकिन इसकी सतह पर पानी होने का प्रमाण भारत का चंद्रयान-1 ही लेकर आया था।

राज्यसभा के सभापति के रूप में मैं व्यवधान देखता हूं, संवाद नहीं: धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को अफसोस जताया कि न्यायपालिका और कार्यपालिका बेहतरी के लिए जरूरत से ज्यादा काम कर रही हैं, लेकिन विधायिका में स्थिति 'निराशाजनक' है। धनखड़ ने यह भी कहा कि राजनीतिक क्षेत्र में लोगों को राजनीति करने के सभी अधिकार हैं, लेकिन जब देश के विकास की बात आती है, तो नेताओं को पार्टी के बंधनों से ऊपर उठना चाहिए।

धनखड़ ने यहां नई दिल्ली प्रबंधन संस्थान के 25वें वार्षिक दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि भारत की न्याय प्रणाली बहुत मजबूत है और सर्वश्रेष्ठ स्तर पर काम कर रही है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली कार्यपालिका बेहतर काम करने के लिए पूरी ताकत लगा रही है। हम सड़कों का निर्माण कर रहे हैं, रेलवे के मामले में और प्रौद्योगिकी अपनाने के मामले में लगातार आगे बढ़ रहे हैं, हमारे पास विश्व स्तरीय संरचनाएं हैं। लेकिन जब विधायिका... आपके प्रतिनिधियों की बात आती है, तो परिदृश्य निराशाजनक होता है। राज्यसभा के सभापति के रूप में, मैं बहस, संवाद, चर्चा नहीं देखता हूं। मैं व्यवधान, व्यवधान देखता हूं। उन्होंने छात्रों से कहा कि उन्हें एक ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जहां जो लोग काम करते हैं, जो अपने काम को सही साबित करते हैं, जो संवैधानिक उम्मीदों पर खरे उतरते हैं, उनकी सराहना हो। उन्होंने कहा कि लोगों को उन लोगों के खिलाफ बोलना होगा, जो अपने जनादेश को पूरा करने में विफल रहते हैं।

बोस ने रैगिंग से निपटने के तरीके सुझाने को इसरो प्रमुख से किया संपर्क किया

कोलकाता/वार्ता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ से संपर्क किया है और राज्य भर में विश्वविद्यालय परिसर में कथित रैगिंग से निपटने के लिए एक हाई-टेक पद्धति की पहचान करने में उनकी मदद मांगी है। राजभवन के बयान में कहा गया,पश्चिम बंगाल के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति सीवी आनंद बोस ने विवि परिसरों में रैगिंग के खतरे को प्रभावी ढंग से रोकने तथा खत्म करने के लिए उपयुक्त तकनीक की पहचान के लिए इसरो के अध्यक्ष से संपर्क किया। राजभवन ने हैदराबाद की एक हाई-टेक कंपनी से भी संपर्क किया और जानना चाहा कि विश्वविद्यालयों में रैगिंग कैसे रोकी जाए। हाल ही में कोलकाता के प्रसिद्ध जादवपुर विश्वविद्यालय (जेयू) में रैगिंग में एक किशोर की जान चली गई। राज्यपाल ने बयान में कहा, वह वीडियो एनालिटिक्स, इमेज मैचिंग, स्वचालित लक्ष्य पहचान और रिमोट सेंसिंग जैसे कई स्रोतों का उपयोग करके एक उचित प्रौद्योगिकी समाधान विकसित करने की कोशिश कर रहे हैं।

भारत में 30 वर्षों में पक्षियों की 60 प्रतिशत प्रजातियों में गिरावट आई: रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में पिछले 30 वर्षों में 338 प्रजातियों के पक्षियों की संख्या में बदलावों पर अध्ययन किया गया, जिनमें से 60 प्रतिशत प्रजातियों की तादाद में गिरावट देखी गई। देशभर में पक्षियों पर नजर रखने वाले 30 हजार लोगों से मिले आंकड़ों पर आधारित एक नई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

इसके अलावा, स्टेट ऑफ इंडियाज बर्ड' नामक इस रिपोर्ट के अनुसार, पिछले सात वर्षों में 359 प्रजातियों में हुए परिवर्तनों के मूल्यांकन के दौरान 40 प्रतिशत (142) में गिरावट देखी गई।

यह आकलन तीन सूचकांकों पर आधारित है। पहला सूचकांक दीर्घकालिक रुझान (30 वर्षों में हुए बदलाव), दूसरा वर्तमान वार्षिक रुझान (बीते सात साल में हुए बदलाव) और तीसरा तीसरा भारत के भीतर वितरण सीमा के आकार का माप है। मूल्यांकन की गई कुल 942 प्रजातियों में से 338 प्रजातियों को दीर्घकालिक रुझान के तहत रखा गया। बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (बीएनएचएस), वाइल्डलाइफ इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूआईआई) और जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जेडएसआई) समेत 13 सरकारी व गैर-सरकारी संस्थानों के एक समूह द्वारा प्रकाशित की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि इनमें से 204 प्रजातियों की संख्या में गिरावट आई, 98 स्थिर रहीं और 36 में वृद्धि देखी गई। वर्तमान वार्षिक रुझान के तहत 359 प्रजातियों को रखा गया, जिनमें से 142 में गिरावट आई है, 189 स्थिर हैं, और 28 में वृद्धि हुई है।

पश्चिम बंगाल : तकनीकी खराबी के बाद रेलवे ने वंदे भारत का रेक बदला, यात्रियों ने विरोध जताया

कोलकाता/भाषा। हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस के रेक में शुक्रवार सुबह तकनीकी खराबी आने के कारण रेलवे को इसे युवा एक्सप्रेस में इस्तेमाल होने वाले रेक से बदलना पड़ा, जिसके कारण एक घंटे की देरी हुई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। रेक (इंजन के अलावा बाकी डिब्बे) बदले जाने को लेकर कई यात्रियों ने इसका विरोध भी किया। इस बदलाव के चलते यात्री आधुनिक सुविधाओं से युक्त वंदे भारत रेक में यात्रा का अनुभव नहीं ले सके। यात्रियों ने कहा कि युवा एक्सप्रेस रेक में वे सुविधाएं नहीं थीं जिनके लिए उन्होंने भुगतान किया था, और यह मानक के अनुरूप नहीं था।

पूर्व रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वंदे भारत रेक के 'अंडरगियर' में गड़बड़ी के कारण इसे बदलना पड़ा। उन्होंने कहा, वंदे भारत रेक को परिचालन के लिए उपयुक्त नहीं पाया गया और उसकी जगह एक अतिरिक्त रेक लगाया गया, जिसका उपयोग युवा एक्सप्रेस के लिए किया जाता है। बदलाव के कारण ट्रेन के प्रस्थान में एक घंटे की देरी हुई। ट्रेन के यात्रियों में राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस भी थे, जो मिजोरम में रेल पुल ढहने से मारे गए प्रवासी श्रमिकों के परिवारों से मिलने के लिए मालदा जा रहे थे।

बरेली के गांव में दो समुदायों के बीच पथराव, 11 आरोपी गिरफ्तार

बरेली (उप्र)/भाषा। बरेली जिला मुख्यालय से करीब 70 किलोमीटर दूर आंवला थाना क्षेत्र के महमूदापुर गांव में मामूली विवाद को लेकर दो समुदाय के लोगों में हिंसक झड़प हो गई और दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पथराव किए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हिंदू पक्ष पर जमकर पथराव किया और लाठी डंडे लेकर हमला कर दिया। आंवला थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार देर शाम की है। उन्होंने कहा कि इस मामले में 11 लोगों को गिरफ्तार कर शुक्रवार को विधिक प्रक्रिया पूरी कर जेल भेज दिया गया है। नायब तहसीलदार ने बताया कि मस्जिद के पास पकौड़ी-मिठाई की एक दुकान की भट्ठी में बच्चों ने ईंट लगाने के लिए मस्जिद के पास से एक ईंट उठाकर लगा दी थी। इसको लेकर कुछ विवाद हुआ।

भाजपा सरकार के निर्देश पर लालू को परेशान कर रही हैं सीबीआई : नीतीश कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि सीबीआई केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के निर्देश पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद को परेशान कर रहा है।

कुमार ने यहां संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। संवाददाताओं ने चारा घोटाले से जुड़े मामलों में राजद अध्यक्ष की जमानत रद्द करने का अनुरोध करने के लिए सीबीआई द्वारा उच्चतम न्यायालय का रुख किए जाने पर कुमार की राय पूछी थी। जनता दल (यूनाइटेड) के नेता

ने कहा, सीबीआई उन्हें भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के निर्देश पर परेशान कर रही है। यह सच्चाई है कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार विपक्षी दलों के नेताओं को परेशान करने के लिए विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। सीबीआई ने कथित चारा घोटाले से जुड़े मामलों में राजद प्रमुख की जमानत रद्द करने का अनुरोध करते हुए हाल में उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। न्यायालय सीबीआई द्वारा दायर याचिकाओं पर 25 अगस्त को सुनवाई करेगा।

'जाति आधारित सर्वेक्षण का काम पूरा, अब डाटा संकलित किया जा रहा है'

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में जाति आधारित सर्वेक्षण का काम पूरा कर लिया गया है और अब डाटा संकलित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस डाटा को जल्द ही सार्वजनिक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जाति आधारित सर्वेक्षण समाज के सभी तबकों के लिए लाभकारी होगा। यहां संवाददाताओं से बातचीत में नीतीश कुमार ने कहा, जाति के आधार पर लोगों की गणना की कवायद राज्य में पूरी हो चुकी है। अब डाटा संकलित किया जा रहा है और इसे जल्द ही सर्वाजनिक किया जाएगा। उन्होंने कहा, राज्य में जाति आधारित सर्वेक्षण सभी के लिए लाभकारी है। यह वंचित लोगों समेत समाज के विभिन्न तबकों के विकास का काम करने में सरकार को समर्थ बनाएगा।

प्रज्ञानानंदा और गुकेश बिखेर रहे चमक, भारत में शतरंज प्रतिभाओं की भरमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। लंबे समय तक पांच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद भारतीय शतरंज के एकमात्र ध्वजवाहक हुआ करते थे जो अपने प्रदर्शन से पूरी दुनिया को हैरान करते रहे थे। लेकिन पिछले करीब एक दशक में चीजों में काफी बदलाव आया है और भारतीय शतरंज में ऐसे कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी सामने आ रहे हैं जो दुनिया में देश का नाम रोशन कर रहे हैं। देश से निकल रहे इतने ग्रैंडमास्टर्स को देखते हुए

आनंद ने भी कहा कि मौजूदा पीढ़ी भारतीय शतरंज की स्वर्णिम पीढ़ी है।

चार भारतीय खिलाड़ी - आर प्रज्ञानानंद, अर्जुन एरिगेसी, डी गुकेश और विदित संतोष गुजराती - बाकू में फिडे विश्व कप के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे जो देश के लिए ऐसे खेल में पहली बार हुआ जिसमें लंबे समय तक सोवियत संघ और बाद में रूस का दबदबा रहा है। प्रज्ञानानंदा चमकदार प्रदर्शन करते हुए विश्व कप के फाइनल में पहुंचे, वह आनंद के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय बने। इस तरह उन्होंने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए अपना स्थान भी पक्का किया जिससे तय होगा कि मौजूदा विश्व चैम्पियन डिंग लिरेन को कौन चुनौती देगा। प्रज्ञानानंदा ने फाइनल से पहले दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा और तीसरे नंबर के खिलाड़ी फैबियानो कारूआना को पराजित किया। प्रज्ञानानंदा (18), गुकेश (17) और एरिगेसी (19) की तिकड़ी को नेतृत्वकर्ता कहा जा सकता है। प्रज्ञानानंदा की उपलब्धियां सभी देख चुके हैं, गुकेश पिछले साल में बेहतर से बेहतर हो रहे हैं और एरिगेसी का खेल भी बेहतर हो गया है। प्रज्ञानानंदा अमेरिका के महान खिलाड़ी बॉबी फिशर और नार्वे के मैग्नस कार्लसन के बाद कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले तीसरे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। कैंडिडेट्स के लिए क्वालीफाई करके प्रज्ञानानंदा ने विश्व खिताब के लिए चैलेंजर बनने के लिए खुद को दौड़ में शामिल कर लिया है। गुकेश पिछले साल शतरंज ओलंपियाड में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद से बेहतर ही होते जा रहे हैं। इसके बाद से उन्होंने खेल में सुधार किया और लाइव रेटिंग में पांच बार के विश्व चैम्पियन आनंद को पछाड़कर देश के नंबर एक खिलाड़ी बन गए।

भारत में शतरंज का मजबूत इको सिस्टम बनाने की जरूरत, कहा प्रज्ञानानंदा के कोच ने

नई दिल्ली/भाषा। फिडे विश्व कप में आर प्रज्ञानानंदा के ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद देश में शतरंज को मिली लोकप्रियता को क्षणिक बनाने से बचने के लिए उनके कोच आर बी रमेश कुमार ने देश में इस खेल का मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार करने की अपील की है।

प्रज्ञानानंदा अजरबैजान के बाकू में हुए फिडे विश्व कप फाइनल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन से बृहस्पतिवार को टाइब्रेक में 1.5 - 0.5 से हार गए लेकिन फाइनल तक के सफर में उन्होंने कई दिग्गजों को हराया। इस प्रदर्शन के बाद उन्होंने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2024 के लिए क्वालीफाई कर लिया और विश्वनाथन आनंद के बाद ऐसा करने वाले वह दूसरे भारतीय हैं। रोमानिया के बुकारेस्ट से उनके कोच रमेश ने भाषा को दिए इंटरव्यू में कहा, प्रज्ञानानंदा की सफलता ने शतरंज को हर भारतीय की जुबां पर ला दिया है लेकिन यह देखा गया है कि जब कुछ अच्छा होता है तो हम शतरंज की बात करते हैं

और फिर भूल जाते हैं। भारत में शतरंज का मजबूत इको सिस्टम नहीं है। उन्होंने कहा, हमारे पास दूर दराज गांवों में भी प्रतिभावान खिलाड़ी मौजूद हैं जिन्हें तलाशने और तराशने की जरूरत है। भारतीय खिलाड़ी निजी कोचों पर निर्भर रहते हैं और कई बार आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने पर प्रतिभाशाली होने के बावजूद वे खेल में आगे नहीं बढ पाते। इसके लिए अखिल भारतीय स्तर पर कोचिंग की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि और खिलाड़ी आगे आ सकें।

सुविचार

माफ़ी मांगने का यह मतलब नहीं है की, कौन गलत है कौन सही, असली मतलब यह है की, हम उस रिश्ते को खोना ही नहीं चाहते।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एलएसी का सम्मान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर बातचीत के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर 'अनसुलझे' मुद्दों के संबंध में भारत की चिंताओं से अवगत कराकर स्पष्ट कर दिया है कि अगर सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति की स्थापना करनी है तो इसके लिए दोनों ओर से प्रयास जरूरी हैं। भारत तो सदैव शांति का समर्थक रहा है। जब पीएलए की ओर से जून 2020 में गलवान झड़प हुई, उसके बाद भारत के रुख में काफी सख्ती आई, लेकिन उसने शांति के लिए दरवाजे बंद नहीं किए। प्रधानमंत्री ने उचित ही कहा है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखना और एलएसी का सम्मान भारत-चीन संबंधों को सामान्य बनाने के लिए आवश्यक है। प्राय: चीन ऊपर से यह दिखावा करता है कि वह शांति कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन अपने कृत्यों से जाहिर कर देता है कि उसकी नीयत में खोट है। अगर एलएसी पर तनाव घटाने की कोशिश में वहां से (दोनों तरफ) सैनिकों की वापसी होती है तो निश्चित रूप से इससे दोनों देशों के संबंधों को सामान्य बनाने में मदद मिलेगी, लेकिन पूर्व के अनुभव यही कहते हैं कि चीन ने ऐसी पहल का इस्तेमाल बाद में धोखा देने के लिए किया। लिहाजा भारत को सदैव सतर्क रहना होगा। निस्संदेह सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं सामंजस्य बनाए रखना जरूरी है। इसके साथ ही एलएसी का सम्मान होना चाहिए। यहां समस्या चीन की ओर से है। जब कभी ऐसा लगता है कि द्विपक्षीय वार्ता के बाद अब तनाव कम हो गया, उसके कुछ ही दिनों बाद खबर आती है कि किसी अन्य स्थान पर पीएलए के जवानों ने घुसपैठ की कोशिश की है। जब वे तवांग सेक्टर में आए तो भारतीय जवानों ने उनका खूब 'स्वागत-सत्कार' किया था, जिसके बाद वे भागने को मजबूर हुए थे।

इन सबकी रिपोर्टें शी जिनपिंग तक जाती हैं। उनका विश्लेषण किया जाता है। भारतीय सेना की सख्ती देखकर चीन के तेवर भी नरम पड़े हैं। उसके राष्ट्रपति अब इस बात पर जोर दे रहे हैं कि चीन-भारत संबंधों में सुधार साझा हितों को पूरा करता है और यह क्षेत्र एवं दुनिया में शांति और स्थिरता लाने में सहायक होगा। नई दिल्ली में चीनी दूतावास द्वारा जारी किए गए बयान के इन शब्दों पर गौर कीजिए- 'दोनों पक्षों को अपने द्विपक्षीय संबंधों के समग्र हितों को ध्यान में रखना चाहिए और सीमा मुद्दे को उचित तरीके से सुलझाना चाहिए, ताकि सीमा क्षेत्र में शांति की संयुक्त रूप से रक्षा की जा सके।' चीन ने बयान तो बहुत सुंदर दिया है, अब जरूरत इस बात की है कि वह अपने शब्दों पर अमल करे। ऐसे बयान तो उसकी ओर से पूर्व में भी बहुत दिए गए हैं, लेकिन बात जब धरातल पर ऐसा कर दिखाने की आती है तो वहां ड्रैगन गायब हो जाता है। ऐसे में सवाल है- क्या इस बार चीन अपने शब्दों पर कायम रहेगा? हालांकि इसकी संभावना कम ही है, लेकिन रिपोर्टों के मुताबिक, एलएसी पर तनाव के बाद चीन को काफी नुकसान हो रहा है। पीएलए के जवान इतनी ऊंचाई पर तैनात रहने के अभ्यस्त नहीं हैं। गलवान भिड़ंत के बाद उसने इससे लगते इलाके में अपने जवानों की संख्या बढ़ाई थी। विभिन्न रिपोर्टों में कहा गया है कि चीन को बहुत जल्द अपने जवानों की बदली करनी पड़ रही है। मैदानी इलाकों से आए पीएलए के जवानों को यहां सर्दियों के मौसम में कई दिक्कतें होने लगती हैं, जिसके बाद उन्हें निचले इलाकों में ले जाया जाता है। चीन जानता है कि वह भारत से आमने-सामने की जंग नहीं लड़ सकता है। अगर जंग हुई तो उसका महाशक्ति बनने का सपना ध्वस्त हो जाएगा, लेकिन वह अपनी धौंस भी जमाए रखना चाहता है। इसलिए बीच-बीच में एलएसी पर तनाव बढ़ाता रहता है। भारत को उसकी उद्दंडता का जवाब खूब सख्ती से देते रहना चाहिए। साथ ही अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर तेजी से शक्ति-संपन्न बनना चाहिए। चीन शांति और मैत्री की नहीं, बल्कि शक्ति की भाषा समझता है। जैसे-जैसे भारत शक्ति-संपन्न बनता जाएगा, चीन के स्वर बदलते जाएंगे।

ट्वीटर टॉक

आज पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में अपराध पर कार्रवाई के दौरान शहीद हुए कांस्टेबल श्री प्रहलाद को श्रद्धांजलि दी। तदोपरांत आ रहे पर्वों पर सतर्कता की स्थिति व नागरिक सुरक्षा नीतियों के क्रियान्वयन का जायजा लिया।

-अशोक गहलोत

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने अपने बयान में सनातन धर्म और साधु संतों का अपमान किया है। उन्होंने प्राचीन नीति ग्रंथों के उद्धरणों को गलत परिभाषित करते हुए अपनी ही पार्टी के पूर्व प्रधानमंत्री श्री नरसिंह राव और भाजपा पर अनर्गल आरोप लगाएं हैं। उनका यह कृत्य क्षमा योग्य नहीं है।

-सीपी जोशी

भाजपा की परिवर्तन यात्रा की तैयारियों को लेकर आज भादरा, हनुमानगढ़ में आयोजित बैठक में सम्मिलित हुआ और यात्रा से संबंधित विभिन्न कार्यों को लेकर पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं से चर्चा की। इस दौरान जगह-जगह भव्य स्वागत सत्कार में आप सभी का अपार स्नेह मिला।

-राजेन्द्र राठौड़

प्रेरक प्रसंग

हंसी का पैमाना

एक बार विनोबा भावे युवकों के एक दल के साथ गांवों में भ्रमण कर रहे थे। एक जगह पर वह अचानक ठहरे और कुछ लोगों को हंसता खिलखिलाता हुआ देखकर कहने लगे, 'यह कुत्सित हंसी है।' इतना कहकर वह आगे चलने लगे। कुछ देर बाद वह फिर से रुके और कुछ लोगों को हंसता, देख, बुदबुदाने लगे, 'आहा! कैसी प्यारी हंसी। आहा!' फिर आनंदित होकर आगे चलने लगे। अब एक युवक से रहा नहीं गया। पूछा कि 'आचार्य यह कैसी दुविधा में डाल दिया है आपने? हंसी तो आखिर हंसी ही होती है न। पहले भी कुछ लोग हंस रहे थे। अभी भी कुछ लोग हंस ही रहे थे।' 'यही तो बात है वत्स।' विनोबा ने धीरे से हंसकर कहा, 'पहले वाले लोग किसी पर हंस रहे थे। यानी किसी की मजबूरी, आफत या दिक्कत पर हंस रहे थे, मगर ये लोग आपस में हिल-मिलकर कुछ चर्चा करते हुए हंस रहे थे।' किसी पर हंसना और किसी के साथ हंसना यह दोनों अलग-अलग हैं। इस बात का फर्क वह युवक आज समझा।

सामयिक

नई टीम से मजबूत होगा कांग्रेस का जनाधार

रमेश सर्राफ धमोरा
मोबाइल : 9414255034

कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभालने के दस महीने बाद कांग्रेस कार्यसमिति (कांग्रेस वर्किंग कमेटी) की घोषणा कर दी है। नई कार्य समिति में कल 39 सदस्य बनाए गए हैं। वही 32 लोगों को स्थाई आमंत्रित सदस्य तथा 13 लोगों को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। जिनमें कांग्रेस के चारों अग्रिम संगठनों युवक कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस और सेवादल के प्रमुखों को भी शामिल किया गया है। इस तरह कांग्रेस वर्किंग कमेटी से कुल 84 नेताओं को जोड़ा गया है। कार्य समिति में जहां वरिष्ठ नेताओं को तवज्जो दी गई है वही बड़ी संख्या में नए लोगों को भी शामिल किया गया है।

आगामी लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए कार्य समिति के माध्यम से सभी को साधने का प्रयास किया गया है। कार्यसमिति में सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह, राहुल गांधी, अधीर रंजन चौधरी, एके एंथोनी, अंबिका सोनी, मीरा कुमार, दिग्विजय सिंह, सलमान खुर्शिद, प्रियंका गांधी वाड्रा, मुकुल वासनिक, आनंद शर्मा, अजय माकन, जयराम रमेश, भंवर जितेंद्र सिंह, तारीक अनवर जैसे पुराने लोगों को जगह दी गई है। वही सचिन पायलट, दीपक बावरिया, जगदीश ठाकोर, गुलाम अहमद मीर, अविनाश पांडे, दीपादास मुंशी, गौरव गोगोई, कमलेश्वर पटेल, सैयद नासिर हुसैन, महेंद्रजीत सिंह मालवीय जैसे नए लोगों को भी शामिल किया गया है। कार्य समिति में कांग्रेस महासचिव मुकुल वासनिक, कुमारी शैलजा, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को प्रमुख दलित चेहरे के रूप में शामिल किया गया है। वहीं सलमान खुर्शीद, तारिक अनवर, गुलाम अहमद मीर, सैयद नासिर हुसैन मुस्लिम समाज का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। कार्य समिति में श्रीमती सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, अंबिका सोनी, मीरा कुमार, कुमारी शैलजा, दीपा दास मुंशी को बैतोर महिला सदस्य नई कार्यसमिति में शामिल किया गया है। वही श्रीमती प्रतिभा सिंह, मीनाक्षी नटराजन, फूलों देवी नेताम और रजनी पटेल को स्थाई आमंत्रित सदस्य तथा यशोमती ठाकुर, सुप्रिया श्रीनेत, परिणीति शिंदे और अलका लांबा कार्यसमिति में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल है। महिला कांग्रेस की प्रमुख नेट्टा डिसूजा पदेन सदस्य के रूप में शामिल की गई है। इस तरह है 84 सदस्यों की कार्यकारिणी में 15 महिला नेताओं को स्थान मिला है। कांग्रेस की नवगठित वर्किंग कमेटी में आनंद शर्मा, शशि थरूर, मनीष तिवारी समेत जी-23 के कई ऐसे नेताओं को भी जगह मिली है जो कांग्रेस आलाकमान के कई निर्णय से नाराज चल रहे थे। इससे पार्टी कार्यकर्ताओं में यह संदेश गया है कि पार्टी सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास कर रही है। यदि कोई पार्टी नेता पार्टी के किसी निर्णय से नाराज है तो भी पार्टी की मुख्य धारा में शामिल रहेगा। कांग्रेस कार्यसमिति से पार्टी के चारों मुख्यमंत्रियों को बाहर रखा गया है। जबकि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेता है और पिछले वर्ष उनका नाम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए तय हो गया था। यह पहला मौका है जब मुख्यमंत्रियों को कार्यसमिति में शामिल नहीं किया गया है।

कांग्रेस ने उदयपुर में संपन्न हुए अपने चिंतन शिविर और रायपुर के महाधिवेशन में तय किया था कि पार्टी संगठन में सभी स्तर के पदों में से आधे पदों पर 50 साल से कम उम्र के नेताओं को पदाधिकारी बनाया जायेगा। मगर मौजूदा कार्यसमिति में वरिष्ठ नेताओं की संख्या अधिक है। फिर भी काफी संख्या में नए लोगों को पहली बार कार्य समिति में शामिल कर पार्टी ने नया नेतृत्व आगे लाने का एक सफल प्रयास किया है। नवगठित कार्यसमिति में लोकसभा से 9 व राज्यसभा से 14 सांसदों को भी शामिल किया गया है। लोकसभा से श्रीमती सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अधीर रंजन चौधरी, शशि थरूर व गौरव गोगोई को कांग्रेस कार्य समिति का सदस्य बनाया गया है। प्रतिभा सिंह, मनीष तिवारी को स्थाई आमंत्रित सदस्य व के सुरेश व मणिकम टैगोर को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। वहीं राज्यसभा से पार्टी अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, दिग्विजय सिंह, पी चिदंबरम, मुकुल वासनिक, अभिषेक मनु सिंघवी, जयराम रमेश, रणदीप सिंह सुरजेवाला, सैयद नासिर हुसैन, केसी वेणुगोपाल को कार्यसमिति का सदस्य बनाया गया है। दीपेंद्र सिंह हुड्डा, फूलों देवी नेताम, रजनी पटेल स्थाई आमंत्रित तथा राजीव शुक्ला विशेष आमंत्रित सदस्य बनाए गए हैं।

कार्य समिति में शामिल 50 साल से कम उम्र के नेताओं में सचिन पायलट 46 वर्ष, गौरव गोगोई 43 वर्ष और कमलेश्वर पटेल 49 साल के हैं। स्थाई आमंत्रित सदस्यों में मानिकम टैगोर 48 वर्ष, दीपेंद्र हुड्डा 45 वर्ष, मीनाक्षी नटराजन 50 वर्ष और कन्हैया कुमार 36 वर्ष के हैं। वही विशेष आमंत्रित सदस्यों में महाराष्ट्र की पूर्व मंत्री यशोमती ठाकुर 49 वर्ष, पार्टी के सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्री नेत 46 वर्ष, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे की विधायक पुत्री परिणीति शिंदे 42 वर्ष, दिल्ली की पूर्व विधायक अलका लांबा 47 वर्ष, युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बीबी 41 वर्ष, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष नेट्टा डिसूजा 48 वर्ष और एनएसयूआई के अध्यक्ष नीरज कुंदन 33 वर्ष के हैं। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी व राजस्थान से सचिन पायलट को राहुल गांधी की निकटता के चलते कार्य समिति में शामिल किया गया है। आने वाले समय में पंजाब में चरणजीत सिंह चन्नी व राजस्थान में सचिन पायलट बड़ी भूमिका निभाएंगे।

कुछ माह पूर्व कर्नाटक व हिमाचल प्रदेश में संपन्न हुए विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस ने भारी बहुमत से सरकार बनाकर अपनी राजनीतिक ताकत का एहसास कर दिया था। कर्नाटक व हिमाचल में भाजपा की सरकार चल रही थी। जिसे हराकर कांग्रेस ने सरकार बनाई थी। इसी साल के अंत तक राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, मिजोरम व जम्मू एवं कश्मीर विधानसभा के चुनाव होने हैं। लोकसभा चुनाव से पहले इन प्रदेशों की विधानसभा चुनावों के नतीजे 2024 के लोकसभा चुनावों पर गहरा असर डालेंगे। कांग्रेस का प्रयास है कि लोकसभा चुनाव से पहले राजस्थान व छत्तीसगढ़ जहां उनकी पार्टी की सरकार है वहां फिर से अपनी सरकार बनाई जाए। मध्यप्रदेश में भाजपा ने दलबदल करवाकर कांग्रेस की सरकार गिरा दी थी। वहां फिर से कांग्रेस पार्टी की सरकार बनाकर पार्टी को मजबूत किया जाए। कांग्रेस पार्टी तेलंगाना में भी अपने खोए हुए जनाधार को फिर से हासिल करने के लिए पूरा जोर लगा रही है। विपक्षी दलों के कई बड़े नेता पिछले दिनों वहां कांग्रेस की सदस्यता ले चुके हैं। कांग्रेस पार्टी का पूरा ध्यान अगले लोकसभा चुनावों पर केंद्रित है। कांग्रेस के बड़े नेता चाहते हैं कि हाल ही में बनाए गए इंडिया गठबंधन को एकजुट कर अगला लोकसभा चुनाव लड़ा जाए। ताकि केंद्र से भाजपा को सत्ता को हटाया जा सके। कांग्रेस आलाकमान इंडिया गठबंधन में शामिल उन सभी दलों से अपने राजनीतिक संबंध सामान्य करने का प्रयास कर रहा है जिससे आगे चुनाव में आपसी सहमति से सीटों का बंटवारा कर भाजपा के खिलाफ एक सीट पर एक ही प्रत्याशी उतारा जा सके। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व का पूरा जोर विपक्षी एकता को सुदृढ़ करने पर लगा हुआ है। जिसका लाभ उन्हें आने वाले चुनाव में मिलने की संभावना नजर आ रही है।

चिंतन

अंधेरा होते ही महिला समानता की बातें छू-मंतर

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

भारत के संविधान में महिला और पुरुष को समानता का अधिकार मिला है मगर वास्तविकता यह है हमने महिलाओं को बराबरी के अधिकार से वंचित रखा है। महिला समानता दिवस 26 अगस्त को मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के साथ भेदभाव, बलात्कार, छेड़छाड़, दुष्कर्म, एसिड अटैक्स, भ्रूण हत्या, राजनीतिक - सामाजिक चेतना जैसे कई मुद्दों पर समाज में जागरूकता फैलाना है। यह दिवस रश्मि होता जा रहा है। इस दिन हम महिला सुरक्षा, समानता, जागरूकता और सशक्तिकरण की जोर-शोर से चर्चा करते हैं और समारोह का आयोजन कर उन्हें सम्मानित करते हैं। देश और दुनिया को बताते हैं कि विभिन्न क्षेत्रों में हमने महिला प्रगति और विकास का डंका बजाया है। भारत में नारी पूजने का भी गर्व के साथ स्मरण करते हैं। मगर आज के दिन हमें इस दिखावे और वास्तविकता को समझना होगा। महिला दिवस पर आधी आबादी की वास्तविकता और धरातलीय चुनौतियों को समझने की जरूरत है। मुट्ठी भर महिलाओं के आगे बढ़ने से सम्पूर्ण महिला समाज का उत्थान नहीं होगा। महिला समानता और सुरक्षा आज सबसे अहम मुद्दा है, जिसे किसी भी हालत में नकारा नहीं जा सकता। सच तो यह है कि एक छोटे से गांव से देश की राजधानी तक महिला सुरक्षित नहीं है। अंधेरा होते-होते महिला प्रगति और विकास की बातें छू-मंतर हो जाती हैं। रात में विचरण करना बेहद डरावना लगता है। कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित घर पहुँचने की चिंता सताने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि हम नारी समानता और सुरक्षा की बात पर गहराई से मंथन करें।

आजादी के 76 वर्ष बीत जाने के बाद भी महिलाओं की स्थिति गौर करने के लायक है। आये दिन समाचार पत्रों में लड़कियों के साथ होने वाली छेड़छाड़ और बलात्कार जैसी खबरों को पढ़ा जा सकता है। स्वतंत्रता के 7 दशक बाद भी ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में महिलाओं को दोयम दर्जे की मार से जूझना पड़ रहा है। यूनीसेफ की रिपोर्ट यह बाताती है कि महिलाएं नागरिक प्रशासन में भागीदारी निभाने में सक्षम हैं। यही नहीं, महिलाओं के प्रतिनिधित्व के बगैर किसी भी क्षेत्र में काम ठीक से और पूर्णता के साथ संपादित नहीं हो सकता।आजादी से पूर्व हमारा देश अनेक रूढ़ियों से ग्रसित था। बेटी को कोख में मारने, सती प्रथा जैसी कुप्रथा समाज में प्रचलित थी। नारी को पढ़ाना तक पाप समझा जाता था। नारी घूंघट में रहे, ऐसा हमारा सोचना और विचारना था। अंग्रेजों के आने के बाद हालांकि नारी स्वतंत्रता और समानता की बातें सुनने और पढ़ने को मिली। धीरे-धीरे समाज और वातावरण में आये बदलाव ने महिला स्वतंत्रता को समझा और उनके अधिकारों और कर्त्तव्यों की बातें होने लगी। नारी को चूल्हे-चौकी से बाहर लाया गया। इस दौरान प्रगति और विकास का नया दौर प्रारम्भ हुआ। हमने महिलाओं के आरक्षण की दिशा में कदम उठाये। केन्द्र और राज्य स्तर पर चुनावों में महिलाओं की सीटों का आरक्षण कर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दिया। फलस्वरूप पंच, सरपंच, प्रधान और जिला प्रमुख तक महिलाएँ काबिज हुईं और ग्राम के विकास की बात आगे बढ़ी। यह भी कहा जाने लगा कि महिला राज में भ्रष्टाचार कम हुआ है। यह सत्य भी है कि जहाँ महिलायें विभिन्न पदों पर काबिज हुई। वहाँ अकर्मण्यता, भ्रष्टाचार और अनियमितताओं में कमी देखने को मिली। महिला विकास और महिला समानता की दिशा में सबसे बड़ी बाधा भ्रूण हत्या है। भ्रूण हत्या हमारे पुरजोर प्रयासों के बावजूद पूरी तरह नियंत्रित नहीं हो पाई है जिसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ रहा है। लड़कियों को शिक्षा ओर रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में हमारे सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर बाधाएँ सामने आती हैं। हम लड़कों को आगे बढ़ाने में अपनी रूचि लेते हैं ओर लड़कियों को पीछे रखने में अपनी भलाई समझते हैं। हमें अपनी इसी सोच को बदलना होगा। कहते है कि एक लड़की शिक्षित हुई तो पूरा परिवार शिक्षा की रोशनी से जगमगाने लगेगा। हम चाहते हैं कि लड़कियों को समान अधिकार मिले और देश खुशहाली की ओर कदम बढ़ाये तो हमें अपनी पुरानी सोच को बदलना होगा और लड़कियों को पर्दे के पीछे से बाहर लाकर संसार की प्रगति और विकास की सोच की ओर आगे बढ़ाना होगा।

नजरिया

चन्द्रयान-3 की सफलता के बाद ब्रिक्स में भारत का हौसला आसमान में

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

भारत अब दुनिया का पहला देश बन गया है जिसने चंद्रमा पर अपना चंद्रयान 3 दक्षिणी ध्रुव पर उतार कर एक महान सफलता पाई है। दूसरी तरफ भारत ने दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स सम्मेलन में दक्षिण अपने बुलंद हौसलों के साथ चीन से आंख से आंख मिलकर शांति और सद्भावना के प्रस्ताव को दिलरी से रखा और सफलता पाई है। चंद्रयान-3 की इस विराट सफलता के साथ भारत का हौसला अब विश्व के आसमान पर है। इसमें कोई दो मत नहीं की वर्ष 2019 में चंद्रयान 2 की असफलता के बाद इसरो की पूरी टीम ने अध्यक्ष एस सोमनाथ के नेतृत्व में जिसमें भारतीय महिला वैज्ञानिक भी शामिल है ने अथक परिश्रम कर इस अभियान को सफल बनाया है। वैज्ञानिकों के साथ पूरे देश को इस बात के लिए अनेक अनेक बधाई तथा साधुवाद तो दिया ही जाना चाहिए बल्कि उन्हें भविष्य में अन्य योजनाओं के लिए भी हर तरह से प्रोत्साहित भी किया जाना चाहिएश्र इसरो ने दक्षिणी ध्रुव पर उतरे 1752 किलो ग्राम के वजनी विक्रम लेंडर को उतारकर भारत की क्षमता ऊर्जा और वैज्ञानिक प्रतिभा ने पूरी दुनिया में अपना परचम लहरा दिया है अब भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा चांद पर लहरा रहा है। अमेरिका, रूस, चीन के बाद भारत चौथा देश है जिसने अपने चंद्रयान को चंद्रमा पर उतार कर एक विराट सफलता पाई है। चंद्रयान-2 को चंद्रमा की दक्षिणी ध्रुव की धरती पर पहुंच कर भारत विश्व का पहले और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से महान राष्ट्र बन गया है। चंद्रयान-2 के विक्रम लेंडर के साथ चार

प्रमुख उपकरण लगाए गए हैं जिसमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण 26 किलो वजन का प्रज्ञान रोवर भी है।

इसरो की इस महान सफलता की खुशियां मनाते हुए अध्यक्ष है सोमनाथ में बताया कि इसके आगे 2 सितंबर को इसरो द्वारा ही सूर्य के लिए एक मिशन रवाना किया जाएगा यह मिशन आदित्य-1 भारत का पहला सूर्य मिशन होगा और इसे भेजने की सारी तैयारी में इसरो एकजुट होकर तैयार भी है इस मिशन को लेकर बची हुई तैयारी पूरी की जा रही है इसके साथ ही सितंबर या अक्टूबर में ही एक और बड़ा काम इसरो गगनयान मिशन को लेकर करेगा। इसमें क्रू मॉड्यूल और क्रू को सुरक्षित निकालने का परीक्षण भी किया जाएगा जो 2025 में प्रस्तावित पहले गगनयान मिशन के प्रक्षेपण के लिए बहुत जरूरी है। इतना ही नहीं एस सोमनाथ ने दावा किया है कि चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव में मानव बस्ती बसाने की क्षमता भी है और यही वजह है कि भारत में चंद्रमा पर विक्रम को उतारने का निर्णय लिया है। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव में कई विशेषताएं हैं जो उसे सूर्य से कम प्रकाशित होने की वजह से मिली है और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव में वैज्ञानिकों के लिए अनुसंधान हेतु अपार संभावनाएं छिपी हुई है।

यह महत्वगत संयोग है कि भारत ने चंद्रयान चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव में भेज कर अपना वैज्ञानिक परचम पूरे विश्व में लहराया है दूसरी तरफ भारत ने ब्रिक्स सम्मेलन में चीन के साथ आपसी सहयोग एवं शांति की सहमति भी प्रस्तावित की है जिसमें दोनों देश सहमत भी हुए। भारत में ब्रिक्स की अपार सफलता भी भारत को नई ऊंचाई पर पहुंचाने में सक्षम हुआ है। ब्रिक्स की सफलता को देखते हुए विश्व में 40 से ज्यादा देशों ने इस आर्गेनाइजेशन मैं शामिल होने की इच्छा जताई है इसके अलावा 22 देशों ने इसकी सदस्यता के लिए औपचारिक अनुरोध भी किया है। ब्रिक्स में अभी पांच देश ही शामिल हैं जिसमें ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन तथा साउथ अफ्रीका ही है। साउथ अफ्रीका के जोहँसबर्ग में यह सम्मेलन आयोजित किया गया था यह सम्मेलन इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण है कि कोरोना के बाद यह सदस्य देश के नेता पहली बार आमने-सामने एकजुट हुए हैं बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन में आ रहा है बदलाव के संकेत भी इसमें देखने को मिले हैं। भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मेलन के विस्तार पर आम सहमति को आगे बढ़ाने के प्रस्ताव का स्वागत भी किया है और आपस में अंतरिक्ष शिक्षा, तकनीकी सहयोग शेर तथा चीता इत्यादि प्रजातियों के संरक्षण और परंपरागत शिक्षा संबंधी सुझावों को लेकर अनेक सुझाव दिए हैं।

दरअसल ब्रिक्स का विस्तार के पीछे भारत और भारत के प्रधानमंत्री की स्पष्ट सोच है की विकास शील और अल्प विकसित देशों की जरूरत के प्रति ज्यादा और विशेष ध्यान देने एवं बहु ध्रुवी व्यवस्थाओं में सुधार लाने की आवश्यकताओं पर बल दिया था। विकसित देशों के समूह जी-7 के आर्थिक वैश्विक राजनीतिक मॉडल का विकल्प ब्रिक्स संगठन तलाश में था। इस संदर्भ में दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा ने ठीक फरमाया ब्रिक्स संगठन जी-7 या जी-20 अथवा अमेरिका का विरोध नहीं करता बल्कि वह अपने सदस्यों को स्वयं व्यवस्थित करना चाहता है और संगठन का विस्तार वर्तमान समय की मांग है और ब्रिक्स के विस्तार को सही दिशा तथा सही सिद्धांतों के लिए किया जाएगा। यह तो तय है कि भारत के चंद्रयान की सफलता ने भारत के लिए ब्रिक्स के सम्मेलन में भारत तथा भारत के प्रधानमंत्री का दर्जा बहुत ऊंचा कर दिया है। अब भारत की बातों को कोई नजर अंदाज नहीं कर सकता है। भारत का चंद्रयान 3 जहां चंद्रमा के साउथ पोल में परचम लहरा रहा है वहीं भारत के प्रधानमंत्री और भारतीयता का परचम आसमान में लहरा रहा है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत-चीन संबंधों में सुधार साझा हितों को पूरा करता है : चीनी राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने इस बात पर जोर दिया कि चीन और भारत के संबंधों में सुधार साझा हितों को पूरा करता है और यह क्षेत्र एवं दुनिया में शांति और स्थिरता लाने में सहायक होगा। चिनफिंग ने यह बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपनी बातचीत के दौरान कही। इसकी जानकारी चीन ने जोहानिसबर्ग में ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) शिखर सम्मेलन के इतर दोनों नेताओं के बीच हुई वार्ता का शुक्रवार को ब्योरा जारी कर दी। इससे अलग, भारतीय सूत्रों ने कहा कि द्विपक्षीय बैठक को लेकर चीनी पक्ष की ओर से एक अनुरोध लंबित है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं ने 'नेताओं के लाउंज' में अनौपचारिक बातचीत की थी। भारत के विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने बृहस्पतिवार को बताया था कि प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर बातचीत के दौरान शी चिनफिंग को पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर ''अनसुलझे'' मुद्दों के संबंध में भारत की चिंताओं से अवगत कराया। क्वात्रा के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखना और एलएसी का सम्मान भारत-चीन संबंधों को सामान्य बनाने के लिए आवश्यक है। चीनी ब्योरे में दोनों नेताओं के बीच बुधवार को हुई बातचीत को ''स्पष्ट और गहन'' बताया गया।

इसमें कहा गया है, ''23 अगस्त को (चीन के) राष्ट्रपति शी चिनफिंग और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर वर्तमान चीन-भारत संबंधों और साझा हित के अन्य मामलों पर विचारों का स्पष्ट और गहन आदान-प्रदान किया।'' इसमें कहा गया, ''राष्ट्रपति शी ने इस बात पर जोर दिया कि चीन-भारत संबंधों में सुधार दोनों देशों और लोगों के साझा हितों को पूरा करता है और क्षेत्र एवं दुनिया की शांति, स्थिरता और विकास के लिए भी सहायक है।'' नयी दिल्ली में चीनी दूतावास द्वारा जारी बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों को द्विपक्षीय संबंधों के समग्र हितों को ध्यान में रखना चाहिए और सीमा मुद्दे को उचित तरीके से सुलझाना चाहिए ताकि सीमा क्षेत्र में शांति की संयुक्त रूप से रक्षा की जा सके। जोहानिसबर्ग में बृहस्पतिवार को संवाददाता सम्मेलन में क्वात्रा ने कहा था कि मोदी और शी अपने-अपने संबंधित अधिकारियों को सैनिकों की शीघ्र वापसी और तनाव कम करने के प्रयासों को तेज करने का निर्देश देने पर सहमत हुए।

क्वात्रा ने कहा कि मोदी ने जोहानिसबर्ग में ब्रिक्स के शिखर सम्मेलन से इतर समूह के नेताओं के साथ बातचीत की। क्वात्रा ने कहा कि मोदी ने शिखर सम्मेलन से इतर शी से बातचीत की और संबंधों को सामान्य बनाने के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा का सम्मान करने की महत्ता के साथ ही भारत की चिंताओं से उन्हें अवगत कराया। विदेश सचिव ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर अन्य ब्रिक्स नेताओं से बातचीत की। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से बातचीत में प्रधानमंत्री ने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों के पश्चिमी सेक्टर में एलएसी पर अनसुलझे मुद्दों पर भारत की चिंताओं का उल्लेख किया।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं सामंजस्य बनाए रखना तथा एलएसी का सम्मान करना भारत-चीन संबंधों को सामान्य बनाने के लिए आवश्यक हैं।''

स्वागत

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का शुक्रवार को जम्मू एवं कश्मीर के सोनमर्ग में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों द्वारा स्वागत किया करते हुए।

सिंगापुर में नेताजी के 'दिल्ली चलो' नारे पर बनी वृत्तचित्र को प्रदर्शित किया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंगापुर। सिंगापुर में शुक्रवार को स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 'दिल्ली चलो' नारे पर बनी एक वृत्तचित्र को प्रदर्शित किया जाएगा। बोस ने जुलाई 1943 में तत्कालीन जापानी कब्जे वाले सिंगापुर के पडांग से यह नारा दिया था। 'नेताजी सुभाष चंद्र बोस: ए सिंगापुर सागा' नामक इस वृतचित्र में प्रवासी भारतीय नागरिकों को दिल्ली आने तथा यहां की सत्ता पर काबिज ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार को बेदखल करने का आह्वान करने वाले युद्धघोष को दर्शाया गया है। नेताजी के 'दिल्ली चलो' के नारे ने दक्षिण पूर्व एशिया में लोगों को जोश से भर दिया तथा इसने 'भारत की आजादी के आंदोलन' को प्रज्वलित किया। नेताजी के नेतृत्व में इंडियन नेशनल आर्मी (आईएनए) में शामिल होने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि हुई और इसने चार सालों के बाद 1947 में भारत की आजादी में मुख्य भूमिका निभाई। सिंगापुर की साप्ताहिक 'तबला' की एक रिपोर्ट के अनुसार, मूलतः यह वृत्तचित्र भारत और सिंगापुर के इतिहास और मजबूत सांस्कृतिक संबंधों की याद दिलाता है। टैगोर सोसाइटी सिंगापुर द्वारा निर्मित इस वृत्तचित्र का निर्देशन लक्ष्मी रमन वेंकट ने किया है। सोसाइटी की क्रिएटिव डायरेक्टर डॉली डेवनपोर्ट ने कहा कि वृत्तचित्र मे इस बात की झलक मिलती है कि कैसे क्षेत्र के आम लोग नेताजी और भारत की आजादी के प्रति आकर्षित थे।

मोदी ने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति को भेंट की 'सुराही', ब्राजीलियाई राष्ट्रपति को गोंड पेंटिंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए जोहानिसबर्ग जाने और उसके पश्चात यूनान की यात्रा के दौरान मिलने वाले वैश्विक नेताओं को भेंट देने के लिए ऐसी कलाकृतियों और पारंपरिक वस्तुओं को तरजीह दी जिनमें पूरी तरह से भारतीय विरासत और संस्कृति की झलक दिखाई देती हों। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री ने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा को तेलंगाना की मशहूर 'बीदरी कला' से निर्मित 'सुराही' और उनकी पत्नी एवं मेजबान देश की प्रथम महिला को नगालैंड की पारंपरिक शॉल भेंट की।

उन्होंने कहा कि यह 'बीदरी कला युक्त फूलदान' विशुद्ध रूप से एक भारतीय नवाचार है, जो कर्नाटक में मैसुरू के समीप स्थित शहर बीदर की विशेषता है। यह जस्ता, तांबा और अन्य अलौह धातुओं के मिश्रण से बना होता है। इस पर शुद्ध चांदी के तारों से सुंदर पच्चीकारी उत्कीर्ण की जाती है। उन्होंने कहा कि इसके बाद ढलाई को बीदर किले की विशेष मिट्टी से तैयार मिश्रित घोल में भिगोया जाता है, जिसमें विशेष ऑक्सीकरण गुण होते हैं। उन्होंने कहा कि इससे जस्ता मिश्रित धातु चमकदार काले रंग में बदल जाती है और चांदी की पच्चीकारी काले रंग की पृष्ठभूमि के साथ बेहद खूबसूरत लगती है।

इस उपहार में चांदी की 'नक्काशी' भी थी, जिसके पैटर्न पहले कागज पर खींचे जाते हैं और फिर चांदी की चादरों पर स्थानांतरित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि नगा शॉल, वस्त्र कला का एक उत्कृष्ट रूप है जो भारत के पूर्वोत्तर भाग में नगालैंड में जनजातियों द्वारा सदियों से बुनी जाती रही है। ये शॉल अपने जीवंत रंगों, सघन डिजाइन और पारंपरिक बुनाई तकनीकों के उपयोग के लिए जानी जाती हैं। अधिकारियों ने कहा कि प्रत्येक नगा शॉल एक अनूठी कहानी बताती है, जो जनजाति के इतिहास, मान्यताओं और जीवन के तरीके को दर्शाती है।

मोदी ने ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा को मध्य प्रदेश की गोंड पेंटिंग उपहार में दी। अधिकारियों ने कहा कि गोंड पेंटिंग सबसे लोकप्रिय आदिवासी कलाकृतियों में से एक हैं। उन्होंने कहा कि बिंदुओं एवं रेखाओं द्वारा बनाए गए ये चित्र, गोंड समुदाय की दीवारों और फर्श पर चित्रात्मक कला का एक हिस्सा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने यूनान के प्रधानमंत्री को छत्तीसगढ़ की मशहूर डोरा कलाकृति भेंट की। अधिकारियों ने बताया कि ये भारत के प्रागैतिहासिक काल की एक कला विधा है।

फिल्म कभी 'अलविदा ना कहना' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता यश कुमार और अभिनेत्री रक्षा गुप्ता की आने वाली फिल्म कभी अलविदा ना कहना का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म कभी अलविदा ना कहना का ट्रेलर इंटर 10 रंगीला के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल से रिलीज हुआ है।इस फिल्म के निर्देशक सुजीत वर्मा हैं। फिल्म के निर्माता यश कुमार एंटरटेनमेंट और निधि मिश्रा हैं। फिल्म के ट्रेलर की शुरुआत होती है, यश कुमार के कॉमेडी एक्शन से और क्लाइमैक्स में वे फिल्म की अभिनेत्री रक्षा गुप्ता से दूर जाते नजर आते हैं। इस फिल्म की कहानी एक ऐसे पति की है, जो अपनी पत्नी से बेइंतहा प्यार भी करता है और उसकी खुशी के लिए त्याग भी करता है। यश कुमार अपने पिता के दोस्त की बेटी से उस हाल में शादी करता है, जब उसकी बेटी एक एक्सीडेंट में कोमा में चली जाती है। फिर यश उसे कोमा से बाहर लाता है, लेकिन फिर हालत ऐसे बनते हैं कि यश को अपनी पत्नी की शादी उसके पसंद के लड़के से करवानी पड़ती है।

फिल्म कभी अलविदा ना कहना में यश कुमार और रक्षा गुप्ता के अलावा डिम्पल सिंह,अमित शुक्ला, अनीता रावत, विनोद मिश्रा, सबा खान, राधे कुमार, वैष्णवी शाही, पूनम वर्मा, संजीव मिश्रा और नीलू यादव मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के संगीतकार साजन मिश्रा और गीतकार शेखर मधुर हैं। कहानी खुद यश कुमार ने लिखी है। पटकथा और संवाद राकेश त्रिपाठी का है और छायांकन जहांगीर सय्यद ने किया है।

अजय देवगन की फिल्म 'भोला' का कल होगा वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की फिल्म भोला का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 27 अगस्त को जी सिनेमा पर होगा। भोला का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर जी सिनेमा पर 27 अगस्त को रात 8 बजे होगा। अजय देवगन ने बताया, भोला एक भव्य एक्शन फिल्म है, जिसमें गहरे जज़्बात हैं। एक डायरेक्टर और एक एक्टर, दोनों ही रूप में भोला बनाना मेरे लिए एक दिलकश सफर रहा। मैं हमेशा नई-नई फिल्म निर्माण तकनीक पेश करने की कोशिश करता हूं, जिनमें से ज्यादातर भोला के एक्शन दृश्यों में इस्तेमाल की गई हैं।

इस फिल्म में एक बाप-बेटी का दिल छू लेने वाला रिश्ता यकीनन बहुत-से लोगों से जुड़ जाएगा। अब मुझे उसे पल का इंतजार है, जब दर्शक टेलीविजन पर यह फिल्म देखेंगे और भोला की दुनिया में गहरे उतर जाएंगे। भोला में अजय देगवन, तब्बू ,संजय मिश्रा, दीपक डोबरियाल और गजराज राव की अहम भूमिका है।

फिल्म 'जंगल' में नजर आएंगे विक्रांत सिंह राजपूत

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता विक्रांत सिंह राजपूत फिल्म जंगल में काम करते नजर आयेंगे। फिल्म जंगल में विक्रांत सिंह राजपूत अहम किरदार में नजर आयेंगे इस फिल्म की शूटिंग उत्तराखंड के पहाड़ों और जंगलों में में की जा रही है। इस फिल्म में विक्रांत सिंह राजपूत के साथ ऋतु सिंह भी हैं, जो उनकी बहन का किरदार निभा रही हैं, जबकि उनके अपोजिट श्रुति राव हैं।

विक्रांत सिंह राजपूत ने कहा कि फिल्म जंगल की पटकथा ने मुझे इस फिल्म की ओर खूब आकर्षित किया है। मुझे खुशी है कि अब मैं इस फिल्म का हिस्सा हूं और सबसे भारी बात यह है कि मुझे भोजपुरी के दिग्गज कलाकार अवधेश मिश्रा के निर्देशन में अभिनय का मौका मिल रहा है।

थोड़ा नर्वसनेस भी हूं लेकिन एक कलाकार के रूप में फिर भी मैं अपना हंड्रेड परसेंट दूंगा। फिल्म जंगल के कहानी के अनुसार इसके गीत और संगीत भी होने वाले हैं। फिल्म को लेकर हम सभी उत्साहित हैं और हमारी फिल्म बड़े बजट की होने वाली है जो दर्शकों का खूब मनोरंजन भी करेगी।

वर्ल्ड वाइड प्रोडक्शन की प्रदीप सिंह कृत फिल्म जंगल में विक्रांत सिंह राजपूत, अवधेश मिश्रा, ऋतु सिंह,श्रुति राव, केके गोस्वामी, अनीता रावत, बालेश्वर, श्रुति, राधा सिंह,महेश आचार्य,हीरा यादव,रोहित सिंह मटरू आदि मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के निर्माता प्रदीप सिंह और प्रतीक सिंह हैं। निर्देशक अवधेश मिश्रा हैं।फिल्म के गीतकार और संगीतकार अमन श्लोक हैं।फ़िल्म का निर्माण वर्ल्ड वाइड प्रोडक्शन के बैनर तले किया जा रहा है।

कृति सैनन ने नेशनल फिल्म अवार्ड जीतने पर जताई खुशी

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सैनन ने फिल्म 'मिमी' के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का नेशनल फिल्म अवार्ड जीतने पर खुशी जतायी है। 69वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स 2023 के विजेताओं का ऐलान हो गया है। आलिया भट्ट को गंगूबाई काठियावाड़ी और कृति सैनन को मिमी के लिए बेस्ट एक्ट्रेस चुना गया है। कृति सैनन ने अपनी इस कामयाबी पर सभी को धन्यवाद देते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर की है। कृति सैनन ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा मैं अभी भी इसमें डूबी हुई हूं। खुद को पिंच कर रही हूं कि क्या ये सब सच में हुआ है। मिमि के लिए बेस्ट ऐक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड मिला है। ज्यूरी को शुक्रिया, जिन्होंने मेरी परफॉर्मेंस को इस अवॉर्ड के लायक समझा। यह मेरे लिए पूरी दुनिया है। डीनो मैं आपका धन्यवाद कैसे करुं... आपने मुझपर इतना विश्वास किया और हमेशा मेरे साथ खड़े रहे और मुझे यह फिल्म दी... इसके लिए मैं आपकी जीवन भर शुक्रगुजार हूं।

लक्ष्मण सर आप हमेशा मुझे कहते थे कि मिमि देखना आपको इस फिल्म के लिए नेशनल अवॉर्ड मिलेगा। मिल गया सर... और यह आपके बिना मुमकिन नहीं था। मॉम, डेड, नूप्स आप सभी मेरी लाइफलाइन हैं। हमेशा चीयरलीडर बनने के लिए थैंक्यू। कृति सैनन ने आलिया भट्ट को भी नेशनल अवॉर्ड जीतने पर बधाई देते हुए कहा बधाई हो आलिया आप ये डिजर्व करती हैं। मैं हमेशा आपके काम की सराहना करती हूं। मैं इस मोमेंट को आपके साथ शेयर करने के लिए बहुत एक्साइटेड हूं। ये.... बिग हग... चलो सेलिब्रेट करते हैं।आंखें नम हैं और दिल भरा हुआ है। मिमि के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता।

आलिया भट्ट ने भी जताई खुशी

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का नेशनल फिल्म अवार्ड जीतने पर खुशी जतायी है। 69वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स 2023 के विजेताओं का ऐलान हो गया है। आलिया भट्ट को गंगूबाई काठियावाड़ी और कृति सैनन को मिमी के लिए बेस्ट एक्ट्रेस चुना गया है।इस जीत पर खुशी जाहिर करते हुए आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया पर दो तस्वीरे साझा की है और खास पोस्ट भी लिखा है। पहली फोटो में आलिया 'गंगूबाई काठियावाड़ी' का सिग्नेचर पोज करते नजर आ रही है। वहीं दूसरी फोटो में आलिया अपने चेहरे की खुशी को दिखा रही है।इन तस्वीरों को शेयर करते हुए आलिया ने लिखा, संजय सर को..पूरी टीम को..मेरे परिवार के लिए..मेरी टीम को और मेरे दर्शकों के लिए..ये राष्ट्रीय पुरस्कार आपका है, क्योंकि आपके बिना ये कुछ भी संभव नहीं होगा। सचमुच!!! मैं बहुत आभारी हूं..मैं ऐसे क्षणों को हल्के में नहीं लेता..मुझे आशा है कि मैं जब तक संभव हो मनोरंजन करती रहूंगा.. प्यार और रोशनी.. गंगू (जिसे आलिया के नाम से भी जाना जाता है)। आलिया भट्ट ने अपने पोस्ट में कृति सैनन को भी बधाई दी है। आलिया ने लिखा, कृति मुझे याद है कि जिस दिन मैंने मिमी देखी थी उस दिन मैंने आपको मैसेज किया था। यह इतना ईमानदार और शक्तिशाली प्रदर्शन था।

नव्या नवेली नंदा ने महिला केंद्रित कहानियों के साथ कॉमिक बुक्स की दुनिया में कदम रखा

मुंबई/एजेन्सी

नव्या नवेली नंदा ने खुद कॉमिक बुक की संपादकीय टीम के साथ मिलकर कॉमिक्स की दुनिया में कदम रखते हुए कहानियां लिखी हैं। इससे पहले उद्यमी नव्या नवेली नंदा ने विरासत कॉमिक्स प्रकाशन, 'टिंकल' के साथ अपने सहयोग की घोषणा की थी। ये कहानियां महिला-केंद्रित विषयों पर होंगी क्योंकि इस सहयोग में उनके 'प्रोजेक्ट नवेली' की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। विशेष सहयोग कॉमिक बुक सितंबर 2023 के अंत में लॉन्च होने वाली है।

उत्साहित नव्या नवेली नंदा ने कहा कि मैं टिंकल को पढ़ते हुए बड़ी हुई हूं। मेरे लिए वर्षों बाद कहानियों का एक नया सेट बनाने में उनके साथ सहयोग करना एक पूर्ण चक्र है। इनमें से कुछ कहानियों को जीवन में लाने के लिए टिंकल संपादकीय टीम के साथ काम करना वास्तव में एक रोमांचक प्रक्रिया रही है, और वह भी महिलाओं से संबंधित कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण विषयों पर। नव्या नवेली नंदा ने आगे कहा कि मैं इसके जल्द ही सामने आने का इंतजार कर रही हूं, ताकि हर कोई टिंकल की जादुई दुनिया के माध्यम से अपने बचपन को फिर से जी सके, लेकिन इस बार वो भी कुछ ट्विस्ट के साथ।

नव्या ने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम पर साझेदारी की घोषणा की तस्वीरें भी शेयर की। नव्या की कहानियां टिंकल ऐप पर उपलब्ध होंगी। अमर चित्र कथा प्राइवेट लिमिटेड की अध्यक्ष और सीईओ प्रीति व्यास ने कहा कि हमें प्रोजेक्ट नवेली के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। अमर चित्र कथा और टिंकल में, हम उन साझेदारों के साथ सहयोग करने का प्रयास करते हैं जो बच्चों को शिक्षित करने और युवाओं को सशक्त बनाने में मदद करने वाले मुद्दों का समर्थन करने के समान विजन साझा करते हैं। प्रोजेक्ट नवेली के साथ हमारे सहयोग के माध्यम से, हमारा लक्ष्य ऐसे एक नहीं बल्कि कई विषयों से निपटना है।

कंगना की शिकायत पर जावेद अख्तर के खिलाफ कार्यवाही पर अदालत ने रोक लगायी

मुंबई/भाषा

मुंबई की एक सत्र अदालत ने बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत की ओर से दर्ज करायी गयी शिकायत के सिलसिले में वरिष्ठ गीतकार जावेद अख्तर के खिलाफ कार्यवाही पर बृहस्पतिवार को रोक लगा दी। जावेद अख्तर के अधिवक्ता जय भारद्वाज ने कहा, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (दिंडोशी अदालत) ए.जेड. खान ने आदेश पारित किया। कंगना की शिकायत पर एक मजिस्ट्रेट द्वारा अख्तर को जारी समन के खिलाफ उनकी पुनरीक्षण याचिका पर अदालत सुनवाई कर रही थी। अभिनेत्री ने अपनी शिकायत में अख्तर पर ''जबरन वसूली और आपराधिक धमकी'' का आरोप लगाया है। अंधेरी मेट्रोपॉलिटिन मजिस्ट्रेट की अदालत ने 24 जुलाई को समन जारी करते हुए जबरन वसूली का आरोप हटा दिया था। अदालत ने हालांकि कहा था कि अख्तर के खिलाफ आपराधिक धमकी के मामले को आगे बढ़ाने के लिये पर्याप्त आधार हैं ।

सत्र अदालत में अख्तर की पुनरीक्षण याचिका में कहा गया कि समन ''जल्दबाजी और अनुचित तरीके'' से जारी किया गया है। अख्तर की पुनरीक्षण याचिका पर कंगना ने इस बीच बृहस्पतिवार को अपना जवाब दाखिल कर दिया । अख्तर (76) ने 2020 में रानौत के खिलाफ एक शिकायत दर्ज करायी थी, जिसमें अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की कथित आत्महत्या के बाद एक टेलीविजन साक्षात्कार में गीतकार के खिलाफ मानहानिकारक बयान देने का आरोप लगाया गया था।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

कोई भी दोष का कारण कर्म का उदय तो है ही, यह एक सार्वभौमिक कारण है लेकिन विशेष कारण क्या है, उसकी खोज जरूरी है। वास्तव में हमारे अंदर रही अज्ञानता, सज्जनों की संगति का अभाव और धर्म व्यवहार का अभाव इन दोषों के मुख्य कारण है। उत्सर्ग सामान्य होता है, अपवाद व्यक्तिगत होता है। ज्ञानी कहते हैं दोष का सेवन करना पड़े तो भी विवेक रखना पड़ेगा, इससे अशुभ अनुबंध नहीं होंगे। आत्मसाक्षी होने पर ही अपवाद का सेवन होना चाहिए। खुद से पढे हुए शास्त्र कदाग्रही बनाते हैं, सुनने से शास्त्र विवेकी बनाते हैं। सुनने के बाद उन्हें पढ़ा जा सकता है।

स्वर्ग और देवलोक मांगने से नहीं मिलता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। संसार का हर प्राणी स्वर्ग प्राप्त करना चाहता है। लेकिन स्वर्ग मांगने से नहीं मिलता है। साहूकारपेट के एस.एस.जैन भवन के मरूधर केसरी दरबार में महासती धर्मप्रभा ने शुक्रवार को अपने प्रवचन कहा कि क्रोध, मान, लोभ और कषायों को जब तक मनुष्य त्याग नहीं करेगा। तब तक उसकी आत्मा को देवलोक और स्वर्ग कि प्राप्ति नहीं होने वाली है। क्रोध, मान, लोभ और दुर्गुण आत्मा की मुक्ति में तो बाधक है ही साथ ही मनुष्य के जीवन का निर्माण भी नहीं होने देते है। इंसान कितना भी जप तप कर ले लेकिन उसका क्रोध, लोभ और लालसाएं जब तक खत्म नहीं हो जाती है। तब तक उसको जप, तप और साधना का फल नहीं मिलने है। मनुष्य पाप करके दुनिया के किसी भी कोने में छिप जाए, लेकिन भगवान कि नजरों से नहीं बच सकता है। जब तक अपने सम्पूर्ण पापों का प्रायश्चित एवं क्षय नहीं कर लेता है। तब तक संसार मे अपने जन्म मरण को नहीं टाल पाएगा। आत्मा देवलोक में तभी प्राप्त कर सकती है। जब मनुष्य अपने अशुम कर्मो का क्षय कर लेगा।

साध्वी स्नेहप्रभा प्रभा ने उत्तराध्ययन सूत्र के पांचवे अध्ययन का वांचन करते हुए संसार में संत हो या गृहस्थ जिसकी जैसी साधना होगी उसे जीवन में वैसा ही फल प्राप्त होगा। परमात्मा की वाणी में सभी के लिए सम्मान होती है, चाहे साधु हो या गृहस्थ वीतराग वाणी में कोई अंतर नहीं होता है। परमात्मा सदमार्ग दिखा सकते है लेकिन चलना स्वयं को पड़ता है, तभी आत्मा देवलोक और मोक्ष को प्राप्त कर सकती है।

श्रीसंघ के कार्याध्यक्ष महावीरचन्द सिसोदिया ने बताया कि धर्मसभा में महासती धर्मप्रभा जी की प्रेरणा पर अनेक महिलाओं ने श्री पार्श्वपद्मावती के एकासन व्रत के प्रत्याख्यान लिए। उन सभी ने एकासन व्रत किया। श्री एस.एस.जैन संघ साहूकार पेठ के अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी ने सभी का स्वागत किया। पदाधिकारियों ने एकासन व्रत की अनुमोदना की ओर सभी को सामूहिक रूप से एकासन व्रत करवाया।

राजस्थानी ओलंपियाड समापन समारोह एवम् एथेलेटिक्स प्रतियोगिता कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु (रजत) द्वारा प्रथम राजस्थानी ओलंपियाड 2023 रजत खेलोत्सव का भव्य समापन 27 अगस्त को सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक पेरियामेट के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम मैदान में आयोजन होने जा रहा है।

फिनाले की तैयारियों के लिए 24 अगस्त को रजत कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। ओलम्पियाड चेयरमैन अशोक मुन्दडा ने बताया कि मुख्य अतिथि ग्रेटर कॉर्पोरेशन ऑफ चेन्नई की मेयर प्रिया राजन, बार्डर सिक्योरिटी फोर्स के कमांडेंट कुलदीप चौधरी, तमिलनाडु और पांडी के प्रधान आयकर आयुक्त सुनील माथुर, टैबलेट्स (इंडिया) लिमिटेड् के सीईओ आर.के. झंवर, भारत के राष्ट्रीय क्रिकेट चयनकर्ता व खिलाड़ी श्रीधरन शरद, डिजिटल उद्यमी मिसेज़ इंडिया टॉप मॉडल बरखा शाह आदि उपस्थित रहेंगे।

रजत के अध्यक्ष मोहनलाल बजाज ने सभी का स्वागत किया। संयोजक डॉ. निर्मल नाहटा ने बताया कि पंजीकरण के बाद मंगलाचरण, ध्वजारोहण, मार्च पास्ट, ओलिंपिक मशाल, शपथ ग्रहण, मनोरंजक एरोबिक्स प्रदर्शन, एथलेटिक्स और ट्रैक फील्ड खेलों के साथ अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। करीब 25 राजस्थानी समाज द्वारा संचालित विद्यालयों, 50 के करीब राजस्थानी संस्थाओं एवं 'जिनेंद्र ज्योति' दिव्यांग बच्चों की संस्था के साथ करीब 1400 से भी अधिक विद्यार्थी इसमें भाग लेंगे। सभी विजेताओं को पुरस्कार अतिथियों द्वारा दिये जाएंगे।

सह संयोजक अजय नाहर ने बैठक का संचालन किया। धन्यवाद प्रस्ताव सह सचिव ज्ञानचंद कोठारी ने दिया। रजत के नामित अध्यक्ष प्रवीण टाटिया, कोचेयरमैन अनुराग महेश्वरी, राजेश सुराणा, गणगौर चेयरपर्सन कांता बीसानी, विनोद जैन, मदन राठी, राधेश्याम मूँधड़ा, कीशन, अरुण डागा आदि ने भी अपने सुझाव दिए।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां के सेंट जोसेफ कॉलेज परिसर में तमिलनाडु अल्पसंख्यम आयोग द्वारा राज्य के सभी जिलों के कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विजयी छात्र छात्राओं को मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के अलावा चेन्नई कॉर्पोरेशन की मेयर आर. प्रिया राजन, अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन पीटर अल्फोंस, सदस्य प्रवीण टांटिया, प्यारेलाल पीतलिया आदि उपस्थित थे।

श्रावणी तीज — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर। यहां राजपुरोहित महिला मंडल द्वारा शहर के एडियार स्ट्रीट स्थित बाबा रामदेव मंदिर में श्रावणी तीज को श्रावण महोत्सव का आयोजन किया गया। राजस्थानी संस्कृति और परम्पराओं को जीवित रखने के लिए जन्मभूमि से कर्मभूमि तक महिलाएं इस तरह के आयोजन करती आ रहीहैं। राजस्थानी संस्कृति का प्रतिक है श्रावणी तीज महोत्सव जो हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान सभी महिलाओं ने राजस्थानी लहरियां वेशभूषा में सज धजकर आई एवं सभी ने डीजे के मधुर धुन जमकर नृत्य किया जिसमें घूमर सहित अन्य कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों कि मनमोहक प्रस्तुति दी जिससे राजपुरोहित समाज कि सैकड़ों महिलाओं ने हिस्सा लिया।

जो बीत गया, सो बीत गया : देवेंद्रसागरसूरि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री सुमतिवल्लभ नोर्थटाउन जैन संघ में धर्म प्रवचन देते हुए आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरिजी ने कहा कि अतीत का भय और भविष्य की चिंता व्यक्ति को इतना परेशान कर देती है कि वह चैन से जी नहीं पाता है। कभी-कभी तो वह अपना मानसिक संतुलन तक खो बैठता है। यह नहीं भूलना चाहिए कि अपराध और चिंता मनुष्य की प्राकृतिक भावनाएं हैं, लेकिन इनसे ग्रस्त हो जाना अथवा यह सोच लेना कि इनसे छुटकारा मिलना बहुत मुश्किल है, यह ठीक नहीं है। इसी सोच का परिणाम और प्रभाव व्यक्ति के मन-मस्तिष्क को अस्थिर बनाये रखता है। इसके लिए मनुष्य को अपने सोच की सीमा का विस्तार करना चाहिए। ऐसा होने पर ही वह अपना सुस्पष्ट दृष्टिकोण बनाने में समर्थ हो सकता है। अतीत में क्या-क्या उसके साथ घटा था, इस ओर उसका चिंतन कभी नहीं होना चाहिए, क्योंकि मनुष्य अच्छा अथवा बुरा, जो भी घट चुका होता था, उससे सीख लेकर ही अपना वर्तमान जी रहा होता है। ऐसे में, अपने वर्तमान पर अतीत की परछाई भी नहीं पड़ने देनी चाहिए। यह तभी होगा, जब आप स्वयं में एकाग्रता लायेंगे। यहीं पर एक कुशल और सफल विद्यार्थी के जो पांच लक्षण बताये गये हैं, वे सभी सामने आते हैं। ऐसी स्थिति को प्राप्त कर लेने पर आपको केवल अपना वर्तमान दिखने लगता है। इसीलिए एक समर्थ वक्ता और विचारक वह होता है, जो वर्तमान संदर्भ में निर्धारित विषय पर अपना व्याख्यान करता है। इस संसार में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है, जो अपराध-भावना से ग्रस्त न रहा हो। अपनी उसी अपराध-भावना के बोध से ही वह अपने-आपको अपराधों के शिकंजे में जकड़ा अनुभव करता है। ऐसे में, वह इतना असहाय महसूस करता है कि अपनी प्रगति के विषय में सोच तक नहीं पाता। व्यक्ति इस स्थिति पर जितना ही विचार करता रहता है, वह उतना ही नकारात्मक सोच में ढलता जाता है। एक सफल चिकित्सक वह होता है, जो अपनी चिकित्सा-पद्धति के प्रभाव से पहले रोग को पूरी तरह से उभार देता है और फिर धीरे-धीरे उसका उपचार कर उसे वर्तमान अवस्था में लाकर पूर्णत: स्वस्थ कर देता है। इसी तरह से हर व्यक्ति अपने किये गये कार्यों और उनसे प्राप्त बुरे परिणामों को एक बार अवश्य सामने लाता है; उनका विश्लेषण करता है और वर्तमान में उन गलतियों की पुनरावृत्ति न होने पाये, इसके प्रति सतर्क हो जाता है। वह अपने उस काले अतीत को भूलने लगता है और वर्तमान की राह पर फूंक-फूंक कर कदम बढ़ाने लगता है।

शुभा दीदी के साथ सत्संग आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सिंधी धर्मशाला के परिसर में सिंधी धर्मशाला चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 'सत्संग शुभा दीदी के साथ' का आयोजन 27 अगस्त को सुबह 11.15 बजे से 12.30 बजे तक किया जाएगा। इससे पूर्व श्री स्वामी सत्यानंदजी महाराज और श्री राम की कृपा से साप्ताहिक अमृतवाणी सत्संग का आयोजन सुबह 9.30 बजे से होगा। अमृतवाणी पाठ और भजन के उपरांत शुभा दीदी का सत्संग शुरु होगा। सिंधी धर्मशाला के सभी ट्रस्टगण ने सभी सत्संगियों को सत्संग में भाग लेने का अनुरोध किया है।

'साधना से मोक्ष की प्राप्ति'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के वीवीपुरम् स्थित दादावाड़ी संभवनाथ जैन मंदिर में विराजित आचार्यश्री अभयशेखर सूरीश्वरजी म.सा. ने शुक्रवार को अपने प्रवचन में कहा कि अगर संसार में राग-द्वेष नहीं होता तो मोक्ष में जाने की जरूरत भी नहीं होती। राग-द्वेष नहीं होता तो कोई जीव पापी नहीं होता, कोई दुखी नहीं होता, ना कोई चिंता होती ना ही कोई तनाव, सभी के मूल में है राग-द्वेष। उन्होंने कहा कि हमारी साधना, पूजा, सामायिक, सभी क्रिया में अपवाद है लेकिन राग-द्वेष निरपवाद आज्ञा है। दुःख मुक्ति का एक मात्रा समाधान राग-द्वेष पर विजय पाना ही है। राग-द्वेष कम करते जायेंगे तो अपने आप दुःख संक्लेश भी कम होते जायेंगे। हमने मेरु पर्वत जितने रजोहरण लिए हैं लेकिन मूल में रहे हुए राग-द्वेष को कम करने का पुरुषार्थ नहीं किया।

आचार्यश्री ने कहा कि राग-द्वेष कम करना है तो उसके निमित को पहले कम करना है। पुद्गल का आकर्षण सीमित करना है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी का लक्ष्य ही भोगवाद बढ़ाना है, उनके हिसाब से तो इंद्रियों के विषयों का पोषण करने से ही सुख मिलता है। लेकिन हमें भौतिक सुख नहीं आत्मा के सुख को पाना है। आत्मा के अलौकिक सुख से दूर रखने वाला कोई है तो वह है राग-द्वेष। जो है जैसा है ख़ुशी ख़ुशी एडजस्ट कर लेना राग-द्वेष को नियंत्रण करने का समाधान है।

शास्त्र में प्रश्न आता है कि साधना कैसी करनी है? उपाध्याय यशोविजयजी म.सा. कहते हैं कि जिस आराधना से हमारा राग-द्वेष मंद हो वैसी साधना करनी चाहिए। अनेक साधना करने के बाद भी राग-द्वेष में फंस जाना मतलब 1000 किमी की यात्रा में 999 कि.मी अलर्ट हो कर चलना और आखिरी 1 कि.मी झपकी मारते हुए चलना, क्या मंजिल मिलेगी? उसी तरह राग-द्वेष से हमारी आत्मा का एक्सीडेंट ना हो वैसे अलर्ट रह कर साधना करनी है और मोक्ष को प्राप्त करना है।

आचार्य महेन्द्रसागर मुनि का जन्मदिन स्वाध्याय दिवस के रूप में मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां शुक्रवार को जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, तमिलनाडु के तत्वावधान में महान आचार्यश्री महेन्द्रमुनिजी म.सा का 70 वां जन्म दिवस स्वाध्याय दिवस के रुप मे मनाया गया। वरिष्ठ स्वाध्यायी वीरेन्द्रजी कांकरिया ने समकित का संग मुक्ति का रंग का विस्तृत विवेचन किया। स्वाध्यायी गौतमचंद मुणोत, दीपक श्रीश्रीमाल व योगेश श्रीश्रीमाल ने सामूहिक रुप से गुरु महेन्द्र चालीसा के पाठ से स्तुति की। श्रावक संघ, तमिलनाडु के कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने गुरु महेन्द्र सवैया से स्तुति करते हुए भावी आचार्यश्री के जन्म से संयम अंगीकार करने व संयममय जीवन गुरु सन्निधि का चित्रण व अनेक संस्मरणों को धर्मसभा में रखा। उन्होंने,उत्तराध्ययन सूत्र के पहले विनय श्रुत अध्ययन में वर्णित सात प्रकार के विनय में उपचार विनय के सात विभागों का उल्लेख करते हुए भावी आचार्यश्री के जीवन में सातों प्रकार के विनय का उदघटित होना बताया। उपचार विनय में बताये गए गुरुजनों के प्रति नम्रता, शुश्रुषा, अनुशासन एवं शिष्टाचार से परिपूर्ण जीवन भावी आचार्यश्री का हैं। गुणगाण करते हुए निर्लिप्तता के श्रेष्ठ उदाहरण रुप मे बताया कि भावी आचार्यश्री ने किसी को अपने से नहीं जोड़ा, सभी को प्रेरणा करते हुए देव धर्म व गुरु के प्रति समर्पित किया। भावी आचार्य पूज्यश्री महेन्द्रमुनिजी म.सा., आचार्य श्री हीराचंद्रजी म.सा. के समीप धूप-छांव की तरह रहने व गुरु के दिल मे वास करने वाले तपस्वी रत्न हैं। भावी आचार्यश्री का जीवन स्वाध्याय, तप व सेवा का मिश्रण रुप हैं। गौतमचंद मुणोत ने प्रत्याख्यान व नियम कराये, योगेश श्रीश्रीमाल ने दैनिक जैन संकल्प करवाया। आर नरेन्द्रजी कांकरिया ने मांगलिक सुनाई। तीर्थंकरों,आचार्य भगवन्तों,भावी आचार्यश्री, उपाध्यायश्री, साध्वी प्रमुखा समस्त चरित्र आत्माओं की जयजयकार के संग स्वाध्याय दिवस सुसंपन्न हुआ।

अपने अंदर ही आनंद है, उसे ढूंढने की जरूरत है : साध्वी डॉ. प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां अक्कीपेट स्थानक में श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में विराजित महासाध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. ने अपने प्रवचन मे कहा कि जिस सुख को ढूंढने के लिए हम बाहर घूम रहे हैं पर हमें पता ही नहीं है सुख कहां पर है। व्यक्ति सुख के लिए दौड़ रहा है लेकिन अंतरात्मा में आनंद ढूंढ लिया तो उसे बाहर जाने की जरुरत ही नहीं है। उसकी आत्मा परमात्मा बन सकती है। जैसे हिरनी की नाभि में कस्तूरी होती है पर वह बाहर सुगंध के लिए दौड़ती है। जबकि उसने स्वयं को जान लिया तो कहीं बाहर जाने की जरूरत नहीं है। अगर किसी व्यक्ति को पीलिया हो जाए तो उसे सब कुछ पिला पिला ही नजर आता है। उसी प्रकार अगर व्यक्ति कामवासना में डूबा हुआ होता है तो दिन रात उसे कुछ भी नजर नहीं आता। उसे ना शर्म रहती है ना लाज रहती है। पर, जिसने काम भोग के ऊपर विजय प्राप्त कर ली उसके जीवन कल्याण हो जाता है। हमारे सामने रामभक्त हनुमान का वर्णन आता है। ब्रह्मचर्य के बल पर उन्हें असीम शक्तियां प्राप्त थी। वे परमवीर कहलाते थे। इंद्रियों को वश में रखकर ही ब्रह्मचर्य का पालन करके महापुरुषों ने सिद्धि प्राप्त कर ली थी।

इससे पूर्व साध्वी ऋषिताश्रीजी ने कहा कि हमें तीनों योग पर नियंत्रण रखना चाहिए। हमारे मन में कृतज्ञता के भाव होने चाहिए। वचन में मधुरता होनी चाहिए एवं काया में विनम्रता होनी चाहिए तो हमारा जीवन सुंदर और सुव्यवस्थित बन सकता है। साध्वी प्रियांगीश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। निकिता चोपड़ा में 56 आयम्बिल के प्रत्याख्यान ग्रहण कीये। सहमंत्री विनोद भूरट ने संचालन किया।

श्रीयंत्र की स्थापना से घर में लक्ष्मी का वास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के मामुलपेट स्थित सिमंधर स्वामी राजेंद्र सूरी ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में किलारी रोड स्थित गुरु राजेन्द्र भवन में विराजित साध्वीश्री भव्यगुणाश्रीजी ने श्रीयंत्र महालक्ष्मी महापूजन के अवसर पर कहा कि श्रीयंत्र महालक्ष्मी पूजन सर्व कार्य सिद्धि समृद्धि प्राप्त कराता है। श्रीयंत्र स्थापित करने से घर में लक्ष्मी का वास होता है और धन की कभी नहीं होती। इससे व्यक्ति को नौकरी में तरक्की मिलती है और कभी धन का अभाव नहीं होता। शास्त्रों के अनुसार घर में श्री यंत्र स्थापित करने से वास्तु दोष दूर हो जाते हैं और घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है।

मेघराज भंसाली ने बताया कि श्रीयंत्र महालक्ष्मी महापूजन के लाभार्थी धर्मीचंद, प्रकाश, सुनील, हंसराज, किरण कुंकुलोल एवं चंपालाल, सोहनलाल, भंवरलाल, वसंतराज, पारस, प्रवीण, किरण, कनिष्क, हर्षित, समृद्ध, सक्षम भंसाली परिवार का संघ की ओर से सम्मान किया गया। लक्ष्मीजी की आरती का लाभ धर्मीचंद कुंकुलोल ने लिया। गुरुदेव की आरती कीर्ति कुमार बंदामुथा ने लिया। नवकार मंत्र आरती का लाभ लिया गया। एकासणा का लाभ मिश्रीमल उकाजी सालेचा परिवार ने लिया। प्रकाश पिरगल, विजयराज बागमार का सम्मान किया गया। विपिन पोरवाल ने भक्ति में सभी को मंत्रमुग्ध किया। हेमराज मोदी ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष मेघराज भंसाली, मांगीलाल वेदमुथा, तिलोकचंद भंडारी, जयंतीलाल पटियात, हेमराज मोदी, कांतिलाल गांधीमुथा, कांतिलाल सोफाडिया, दिलीप कांकरिया, कांतिलाल कंकुचोपडा, सुरेश वाणीगोता, गुलाबचंद वाणीगोता, जयंतीलाल नाहर आदि उपस्थित रहे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.